RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 348 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 18-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

॥ श्री वरकाणा पार्श्वनाथाय नमः ॥

॥ श्रीमद् आत्म वल्लभ समुद्र इन्द्रदिन्न नित्यानंद सद्गुरुभ्यो नमः ॥

धर्मनगरी बेंगलुरु की धन्य धरा पर

गोडवाड वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के तत्वावधान में

पंजाब केसरी परम पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय वल्लभसूरीश्वरजी म.सा. के समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति, भारत सरकार द्वारा "पद्मश्री" से सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित, कल्याणक तीर्थोद्धारक,

शांतिदूत श्रीमद् विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी म.सा.

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश प्रसंगे

भावभरा आत्मीय आमंत्रण
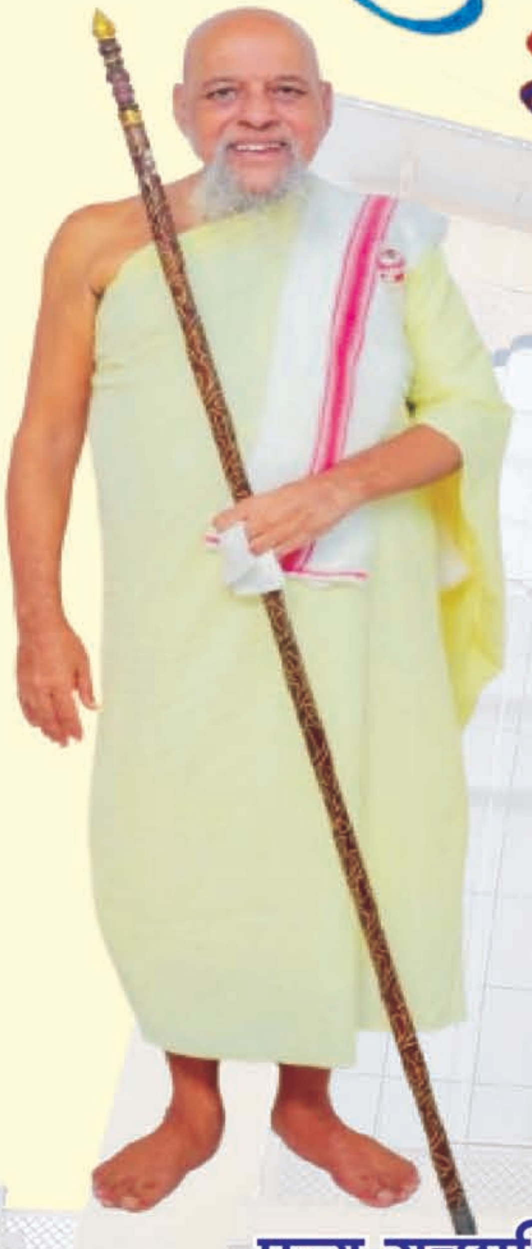
19 जुलाई 2026, रविवार

श्रमणवृंद

* पंन्यास प्रवर श्री धर्मशील विजयजी म.सा.
* मुनिराज श्री मोक्षानंद विजयजी म.सा.
* मुनिराज श्री धरणेन्द्र विजयजी म.सा.
* मुनिराज श्री ज्ञानानंद विजयजी म.सा.
* तपस्वी मुनिराज परमानंद विजयजी म.सा.

श्रमणवृंद

* साध्वी सिद्ध प्रज्ञा श्रीजी म.सा.
* साध्वी रश्मि प्रज्ञा श्रीजी म.सा.

गुरु कृपा चातुर्मास

महाप्रवेश

* आयोजन स्थल *

श्री गोडवाड भवन,

लाल बाग रोड क्रॉस, पूर्णिमा थियेटर के पीछे,
बेंगलोर - 560 027.

卐 मंगलमय कार्यक्रम 卐

पूज्य गच्छाधिपति श्री का श्रमण-श्रमणीवृंद के साथ भव्य महाप्रवेशोत्सव

प्रातः 8.00 बजे अल्पाहार (श्री गोडवाड भवन)

प्रातः 9.30 बजे भव्य सामैया वरघोडा प्रारंभ

स्थल : जैन हाइट्स (सोलस -1) से

धर्मसभा प्रातः 11.00 बजे से (श्री गोडवाड भवन)

साधर्मिक भक्ति : मध्याह्न 12.15 बजे से

* निवेदक एवं आयोजक *

गोडवाड वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति, बेंगलोर

चेयरमैन

दिलीप घेवरचंदजी सुराणा   भंवरलाल हस्तीमलजी रांका   विक्रम भीमराजजी करबावाला

कुमारपाल सिसोदिया, भवरलाल करबावाला, ललितकुमार तलेसरा, प्रवीण सोनीगरा, रमेशकुमार चाँदावत, रंगराज हिंगड, गौतम के. मेहता, राजेशकुमार राठौड, कांतीलाल राठौड, निशांत रांका, अशोक करबावाला, हरिश सोलंकी, नवरतनमल पुनमिया, मिश्रीमल राणावत, पारसमल पुनमिया, जितेन्द्र बोहरा, भवरलाल श्रीश्रीमाल, पनेचंद श्रीश्रीमाल, राजेन्द्र पारेख, नरेशकुमार परमार, घीसूलाल खाँटेड, दुर्लभचंद खाँटेड, इन्द्रकुमार परमार, नागराज बंदामुथा, माणकचंद खाँटेड, अशोककुमार परमार, मनोज बलदोटा, कांतिलाल चण्डालिया, विमलचंद बंबोली, मीठालाल ओस्तवाल, डगरचन्द डागा, छगनमल राठौड, पन्नालाल राठौड, मदनलाल सोलंकी, राहुल बागरेचा, राहुल सुराणा, कीर्ति चौपडा, शांतिलाल राठौड, पारस कोठारी, रमेशकुमार बाफना, सुरेश बाफना, मुकेश पुनमिया, जयंतीलाल सुराणा, कान्तिलाल बाफना, अजय गादिया, महेश राठौड, रमेशचंद कावेडिया, नरेश बलदोटा

व्यवस्था : श्री गोडवाड जैन महासभा, बेंगलोर

जींद : पीएम ने 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिनसे सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद, प्रधानमंत्री ने 157.92 किलोमीटर लंबे, चार-लेन वाले और पूरी तरह पहुंच नियंत्रित दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया, जिसे लगभग 9,680 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

यह ग्रीनफील्ड कॉरिडोर 667 किलोमीटर लंबे दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का हिस्सा है। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा का समय लगभग 14 घंटे से घटकर करीब 6 घंटे रह जाएगा, जबकि दिल्ली-अमृतसर की यात्रा का समय भी लगभग 8 घंटे से घटकर 4 घंटे हो जाएगा। इस परियोजना से एनएच-44 (जीटी रोड) पर यातायात काफी कम होने, श्री माता वैष्णो देवी जाने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की संख्या बढ़ने तथा इस कॉरिडोर के आसपास औद्योगिक और साजो-सामान संबंधी विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने एनएच-7 और एनएच-344 पर 33.81 किलोमीटर लंबे, चार-लेन वाले और आंशिक पहुंच नियंत्रण वाले अंबाला-काला अंब राजमार्ग का भी उद्घाटन किया। यह राजमार्ग अंबाला शहरी इलाके अंबाला-काला अंब औद्योगिक क्षेत्र के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच सड़क संपर्क को बेहतर बनाएगा, पहाड़ी इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही को आसान बनाएगा तथा काला अंब इलाके में उद्योगों के लिए साजो-सामान की लागत को कम करेगा।

मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जींद को राजमार्गों के एक बड़े नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने राष्ट्र को समर्पित परियोजनाओं के बारे में कहा, ''तीन बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी शुरू की गई हैं।'' मोदी ने कहा कि यह जींद की भूमि है, जो महाराजा रणजीत सिंह के गौरव के साथ-साथ ''पांडवों' से जुड़ी आस्था से भी संबंधित है।

उन्होंने कहा कि 'पांडु पिंडारा' और रामराय जैसे पवित्र स्थल इस सदियों पुरानी विरासत को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, ''आज का भारत न केवल इस विरासत को संजोकर रखता है, बल्कि इसे गर्व के साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी भावना के साथ, आज कुरुक्षेत्र में एक सिख संग्रहालय की आधारशिला रखी गई है। यह नया संग्रहालय हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान को और समृद्ध करेगा।''

हाइड्रोजन चालित ट्रेन 'मेक इन इंडिया' अभियान का सफल उदाहरण : प्रधानमंत्री मोदी

जींद (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली भारत की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे मेक इन इंडिया' अभियान का एक सफल उदाहरण बताया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया, जहां हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें परिचालन में हैं। यह रेलवे क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर की दूरी यह ट्रेन दो घंटे में तय करेगी। इस दौरान यह 12 स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और उनकी आधारशिला रखी। इसके बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने हाइड्रोजन चालित ट्रेन को 'मेक इन इंडिया' अभियान का एक सफल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है और जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन चालित ट्रेन है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और उर्वरकों की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार महीनों से यह मार्ग लगातार संघर्ष का क्षेत्र बना हुआ है। मोदी ने कहा कि युद्ध और तेल संकट के बावजूद भारतीय रेल और देश के विकास की रफ्तार नहीं रुकी है। उन्होंने कहा, ''यदि ऐसी स्थिति 2014 से पहले उत्पन्न हुई होती, तो भारतीय रेलवे का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया होता।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जींद की उनकी यात्रा ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मुझे यहां जो स्नेह मिला है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।'' उन्होंने कहा कि जींद का घी और घेवर वर्षों से नहीं बदले हैं, लेकिन इसके तेवर जरूर बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि जींद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशासन का एक मॉडल बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब भी हाइड्रोजन ट्रेन का जिक्र होगा, तब जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम लिया जाएगा। मैं इसके लिए पूरे देश को बधाई देता हूं।'' जनसभा को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है जो इस तकनीक को देश में ही विकसित करने के देश के नेतृत्व के साहसिक निर्णय के कारण संभव हो सकी। उन्होंने कहा, ''आज उस दूरदर्शी सोच को साकार होते देखने का दिन है।'' वैष्णव ने कहा कि सोनीपत-दिल्ली खंड पर इस ट्रेन का परीक्षण जारी है और इसके बाद यह ट्रेन जींद से दिल्ली तक चलायी जाएगी। आसमानी और सफेद रंग की आकर्षक डिजाइन वाली ट्रेन हाइड्रोजन 'फ्यूल सेल' प्रौद्योगिकी से संचालित होती है। इस तकनीक में हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित किया जाता है, जिससे ट्रेन को चलाने के लिए आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। इस प्रक्रिया में अवशेष के तौर पर सिर्फ जल-वाष्प निकलती है और कार्बन का उत्सर्जन बिल्कुल नहीं होता है।

दपरे में यात्री सुविधाओं एवं क्षेत्रीय रेल संपर्क के विस्तार हेतु ज्ञापन प्रस्तुत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद (एनआरयूसीसी)के पूर्व सदस्य एवं भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ, कर्नाटक के सह-संयोजक भरत कुमार जैन ने दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) हुब्बल्ली के महाप्रबंधक के नाम एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। महाप्रबंधक की अनुपस्थिति में यह ज्ञापन उप महाप्रबंधक को सौंपा गया, ताकि इसे आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित किया जा सके। ज्ञापन में यात्रियों की सुविधाओं एवं क्षेत्रीय रेल संपर्क को सुदृढ़ बनाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गई हैं। इनमें बाड़मेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस (14805/14806) को साप्ताहिक के स्थान पर दैनिक चलाने, यशवंतपुर-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22689/22690) को जोधपुर अथवा बाड़मेर तक विस्तारित करने तथा बेंगलूरु-जोधपुर/बाड़मेर के बीच नई दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव प्रमुख है। इसके अलावा बेंगलूरु से पालीताना के बीच सीधी ट्रेन सेवा की मांग की।

कर्नाटक चित्रकला परिषद में मीना बाजार शुरू

बेंगलूरु। ग्रैंड फ्ली मार्केट द्वारा आयोजित मीना बाजार-कला, शिल्प, हथकरघा और जीवनशैली प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार को कुमारकृपा रोड स्थित कर्नाटक चित्रकला परिषद में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) के जोनल कमिश्नर (उत्तर) डॉ. हरीश नाइक ने अभिनेत्री जानवी राजशेखर और बिग बॉस कन्नड़ के विजेता प्रथम के साथ मिलकर किया। इस प्रदर्शनी में भारत भर के कारीगरों और प्रदर्शकों द्वारा निर्मित कला, हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, जीवनशैली उत्पाद, गृह सज्रा, आभूषण, जातीय परिधान, फैशन सहायक उपकरण और अन्य अनूठे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। यह प्रदर्शनी कर्नाटक चित्रकला परिषद में दर्शकों के लिए खुली है। सुबह 10.30 बजे से सायं 7.30 बजे तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है।

गृहमंत्री अमित शाह बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर, सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार रात तीन दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे पर उत्तर बंगाल पहुंचेंगे। इस दौरान वह सीमा सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे तथा सिलीगुड़ी और कोलकाता में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री का रात करीब नौ बजे सिलीगुड़ी के निकट बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचने का कार्यक्रम है, जहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उनकी अगवानी करेंगे। इसके बाद शाह कदमतला स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सीमावर्ती मुख्यालय जाएंगे, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे।

शनिवार को वह बांग्लादेश सीमा के निकट जुमागाछ स्थित बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी का दौरा करेंगे। इस दौरान शाह बीएसएफ जवानों से संवाद करेंगे, 'प्रहरी सम्मेलन' को संबोधित करेंगे, पौधारोपण अभियान में हिस्सा लेंगे तथा बीएसएफ से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री सिलीगुड़ी स्थित उत्तर कन्या में एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें पश्चिम बंगाल में सीमा प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की जाएगी।

सीतारमण, नायडू ने एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलनाडु (आंध्र प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को पलनाडु जिले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ऋण पहुंच कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ रुपये के कर्ज वितरित किए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण एवं विकास कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), उद्यमियों, उद्योगपतियों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को शामिल करने वाली यह ऋण पहुंच पहल संस्थागत ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करेगी।

नायडू ने कहा, ''पहले लोगों को ऋण के लिए बैंकों के पास जाना पड़ता था। आज बैंक खुद लोगों तक पहुंचकर उन्हें ऋण उपलब्ध करा रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषि क्षेत्र के लिए 2,363 करोड़ रुपये, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 325 करोड़ रुपये और आवास, शिक्षा, वाहन तथा सौर ऊर्जा के लिए 624 करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए गए।

नायडू ने कहा कि संस्थागत ऋण किसानों के भविष्य, युवाओं की आकांक्षाओं, महिलाओं के सशक्तीकरण और उद्यमियों के निवेश की नींव हैं। साथ ही ये लोगों को ऊंची ब्याज दर वसूलने वाले साहूकारों के कर्ज के जाल में फंसने से भी बचाते हैं।

मुख्यमंत्री ने सीतारमण की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) से सख्ती से निपटा और डिजिटल बैंकिंग में क्रांति लाई जबकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण से सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने अमरावती, पोलावरम परियोजना और विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई। इससे राज्य को 2019 से 2024 के बीच पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार से विरासत में मिली वित्तीय कठिनाइयों से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि राज्य को वीबी-जी राम जी पहल के तहत केंद्र सरकार से 7,707 करोड़ रुपये मिलेंगे और रायलसीमा को बागवानी केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे जिससे निजी निवेश भी आकर्षित होगा।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लूनावत, संयोजक मनीष व माधु जांगीड़ ने किम्स अस्पताल इलेक्ट्रोनिक सिटी में वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डाक्टर रवि मोहन राव व डाक्टर रविन्द्र बी कांबले से शिष्टाचार भेंट कर उनकी सेवाओं के लिए उनका सम्मान किया। डॉक्टरों ने मानसिक तनाव को कम करने के लिए ध्यान को अपनाने की बात कही। लूनावत ने दोनों डाक्टरों आभार व्यक्त किया।

गणेश बाग में अभिजीतमुनि व रविमुनि का चातुर्मास घोषित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्रमण संघीय आचार्यश्री शिवमुनिजी के आज्ञानुवर्ती दिवाकर सम्प्रदाय के राष्ट्रसंत कमलेशमुनिजी के शिष्य अभिजीतमुनिजी व रविमुनिजी का इस वर्ष का चातुर्मास श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में होना निश्चित हुआ है। ट्रस्ट के अध्यक्ष पारसमणि रूणवाल के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने अभिजीतमुनिजी के समक्ष चातुर्मास के लिए निवेदन किया और मुनिजी ने चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की। गणेश बाग में चातुर्मास की घोषणा होते ही खुशी की लहर छा गई। इस मौके पर मंत्री सुरेन्द्र रूणवाल, कोषाध्यक्ष वसंतराज पोरवाल, उपाध्यक्ष सुरेश चोरड़िया, सहमंत्री किशोरचन्द गादिया, शांतिलाल खाबिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

हिंदू छात्र को कलमा पढ़ने का 'होमवर्क' दिए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिंदू छात्र को कलमा पढ़ने का 'होमवर्क' दिए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के एक निजी स्कूल में एक हिंदू छात्र को 'होमवर्क' के रूप में कथित तौर पर 'कलमा' पढ़ने का निर्देश दिए जाने से उत्पन्न विवाद के बाद संबंधित शिक्षिका और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छात्र की एक रिश्तेदार की शिकायत के बाद आरोपी शिक्षिका के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, भाजपा और विश्व हिंदू परिषद ने इस मामले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए स्कूल के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की थी। विवाद के बाद स्कूल प्रबंधन ने संबंधित शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

In my military records, my mother's name has been erroneously recorded as MEERA BAIN and DOB as 15/07/1969, whereas her correct and actual name is MEERA and DOB is 01/01/1973 which is recorded on her Aadhaar Card. Army No.5759135A, NK (HK) JITENDER SINGH GURJAR, R/o. Vill: Chitoli, Post: Salbai Dabra, District: Gwalior, State: Madhya Pradesh, PIN: 475110, vide Affidavit Dated: 13/07/2026, sworn before Notary MEER HASSAN, Bengaluru.

भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के रथ श्री गुंडिचा मंदिर पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में एक दिन पहले शुरू हुई वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के तहत भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथ गंतव्य स्थान गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने कहा कि परंपरा के अनुसार, भगवान की मूर्तियां रात भर अपने रथों पर ही विराजमान रहेंगी और शनिवार शाम को उन्हें श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया जाएगा, जिसे उनका जन्मस्थान माना जाता है। वापसी रथयात्रा को 'बहुदा' यात्रा कहा जाता है जो 24 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 'पहंडी' प्रक्रिया में देरी के कारण तीनों में से कोई भी रथ 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर नहीं पहुंच पाया। परंपरा के अनुसार सूर्यास्त के बाद रथों को नहीं खींचा जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि रथों को बृहस्पतिवार शाम तक श्री गुंडिचा मंदिर पहुंचना था लेकिन रोशनी कम होने के कारण शाम करीब सात बजे रथ खींचने का काम रोक दिया गया और शुक्रवार सुबह इसे फिर शुरू किया गया। भगवान बलभद्र का 'तालध्वज' रथ बृहस्पतिवार शाम चार बजे के तय समय के बजाय शाम पांच बजकर 10 मिनट पर चलना शुरू हुआ था जिसे ग्रैंड रोड पर लगभग 700 मीटर की दूरी तय करने के बाद मार्केट चौक पर रोक दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' रथ लगभग 400 मीटर की दूरी तय करने के बाद मारिचिकोटे छक पर रुक गया जबकि भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ को केवल कुछ गज ही खींचा गया और वह मुख्य मंदिर के सिंहद्वार के पास ही रुका रहा। श्री गुंडिचा मंदिर को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का जन्मस्थान माना जाता है। भगवान की मूर्तियां बृहस्पतिवार रात अपने रथों में ही विराजमान रहीं और कड़ी सुरक्षा के बीच लाखों भक्त देवताओं की एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करते दिखे। पाढ़ी ने कहा, ''दर्शन बंद नहीं हुए और पूरी रात लोगों ने भगवान के दर्शन किए।''

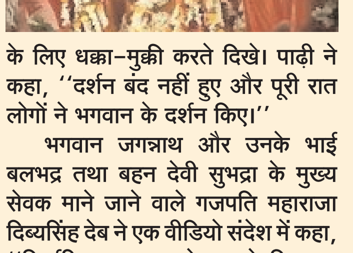

भगवान जगन्नाथ और उनके भाई बलभद्र तथा बहन देवी सुभद्रा के मुख्य सेवक माने जाने वाले गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''निर्धारित रथ यात्रा के अगले दिन रथ खींचने में कोई बुराई नहीं है। कई बार रथ तय समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते थे और उन्हें अगले दिन खींचा जाता था। अंधेरा होने के कारण बृहस्पतिवार को रथ खींचने की प्रक्रिया रोक दी गई थी।'' 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के साथ शुक्रवार सुबह लाखों भक्त बारिश और उमस के बीच तीनों देवताओं - भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथों को खींचते दिखे।

शुक्रवार को सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट पर भगवान बलभद्र के रथ को खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ अपनी गंतव्य पर पहुंचा, उसके बाद देवी सुभद्रा का रथ 'दर्पदलन' और अंत में भगवान जगन्नाथ का रथ 'नंदीघोष' पहुंचा। ये रथ 'सारधाबली' पहुंचे, जो श्री गुंडिचा मंदिर के सामने रेत का एक मैदान है और इसी के साथ नौ दिन तक चलने वाले इस उत्सव का पहला चरण पूरा हुआ। इस साल रथ यात्रा के दौरान एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब भगवान जगन्नाथ बिना अपने विशेष पुष्प 'मुकुट तहिया' के ही लोगों के सामने आए। पाढ़ी ने कहा, ''बारिश की वजह से मुकुट गीला और भारी हो गया था, इसलिए उसे हटा दिया गया।'' बृहस्पतिवार को रथ यात्रा के जश्न के दौरान अचानक भीड़ बढ़ने और खराब मौसम की वजह से दो लोगों की मौत हो गई और पांच लोग बीमार पड़ गए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोगों की मौत पर दुख जताया हालांकि राज्य सरकार ने भीड़ के अचानक बढ़ने की घटना को ''भगदड़'' मानने से इनकार कर दिया। सीएमओ ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रथ यात्रा के मौके पर भारी भीड़ के कारण एक बुजुर्ग श्रद्धालु की मौत हो गई। एक अलग घटना में दिल का दौरा पड़ने से एक श्रद्धालु की मौत की खबर मिली है। मुख्यमंत्री ने गहरा दुख जताया है, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। एडीजी सौमेंद्र प्रियदर्शी ने बताया कि पुरी में रथ यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें 19 आईपीएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी और लगभग 13,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

इसके अलावा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), त्वरित कार्य बल (आरएएफ) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) समेत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 15 कंपनियों को अहम जगहों पर तैनात किया गया है।

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 348 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 18-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 परिसीमन-महिला आरक्षण पर विपक्ष फिर होगा बेनकाब : शेखावत

6 विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद

7 अनिल कपूर की सलाह ने बदला अंजना का नजरिया

फर्स्ट टेक

ईरान के हमले में बिजली और जल संयंत्र को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ : कुवैत

दुबई/एपी। कुवैत ने शुक्रवार को कहा कि ईरान ने एक बिजली एवं जल अलवणीकरण संयंत्र पर हमला किया, जिससे इसे व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत में पेयजल की लगभग 90 प्रतिशत आपूर्ति जल के अलवणीकरण से होती है और ऐसी किसी भी प्रकार की बाधा से इस छोटे रेगिस्तानी देश में जनजीवन प्रभावित हो सकता है। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने हमले की जानकारी देते हुए कहा कि इससे आग लग गई और बड़ी संख्या में बिजली उत्पादन इकाइयों को नुकसान पहुंचा। कुवैत ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है तथा नुकसान का आकलन करने और संयंत्र को दोबारा चालू करने के लिए प्रयास जारी है।

मोदी ने जालंधर में 5,470 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

जालंधर (पंजाब)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जालंधर में 5,470 करोड़ रुपये की रेलवे और सड़क बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य संपर्क (कनेक्टिविटी) को मजबूत करना, यात्रियों की सुविधाओं में सुधार करना और क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमृतसर (छेहरटा)-वाराणसी के बीच चलने वाली संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इससे दो प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के बीच सीधी रेल संपर्क स्थापित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोला

जालंधर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर कानून-व्यवस्था और कई अन्य मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ सरकार को ''कट्टर बेईमान'' करार देते हुए कहा कि इसकी न तो साफ नीयत है और न ही ईमानदारी है। जालंधर में 5,470 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने कहा कि यहां कोई नहीं जानता कि कब और कहां गैंगवार हो जाए या किस दिशा से गोलियां चलने लगें। मोदी ने कहा, ''खुलेआम रंगदारी मांगी जा रही हैं और यहां तक कि पुलिस थानों पर हमले की घटनाएं भी आम हो गई हैं।''

हमें आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि 'विकसित भारत' की यात्रा के साथ-साथ एक आधुनिक सोच भी होनी चाहिए, जो भविष्य की तकनीकों और स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित हो।

मोदी ने कहा, हमें ऐसे फैसले लेने चाहिए, जो न केवल वर्तमान पीढ़ी को लाभ पहुंचाएं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित हों। हमें ऐसे संस्थान बनाने चाहिए जो समय के साथ और मजबूत होते जाएं।

भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है। मोदी चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

मोदी हरियाणा के जींद दौरे के बाद पीईसी पहुंचे। वहां उन्होंने जींद और सोनीपत के बीच हाइड्रोजन से चलने वाली भारत की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीईसी के कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया तथा कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर मोदी ने सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी इंदरजीत सिंह सिद्धू की भी प्रशंसा की, जिन्हें हाल ही में कई वर्षों तक स्वेच्छा से चलाए गए स्वच्छता अभियान के लिए पद्मश्री से नवाजा गया है।

मोदी ने कहा, ''उन्होंने स्वच्छता योद्धा के रूप में पहचान बनाई है। अपने प्रयासों से उन्होंने चंडीगढ़ के लोगों को एक अलग तरीके से स्वच्छता के लिए प्रेरित किया है।'' हाइड्रोजन से चलने वाली भारत की पहली ट्रेन की शुरुआत को एक बड़ी शुरुआत बताते हुए मोदी ने कहा कि ''विकसित भारत की यात्रा के लिए हमें भविष्य के अनुरूप प्रौद्योगिकी, भविष्य के अनुरूप परिवहन और भविष्य के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देते हुए आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।''

प्रधानमंत्री ने चंडीगढ़ स्थित स्नातकोत्तर मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) में आधुनिक मातृ एवं शिशु केंद्र और आधुनिक तंत्रिका विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। अधिकारियों के अनुसार, 300 बिस्तरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं वाले मातृ एवं शिशु केंद्र से माताओं और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और पूरे क्षेत्र के हजारों परिवारों को इसका लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत 150 बिस्तरों वाले आधुनिक गहन देखभाल ब्लॉक का भी शिलान्यास किया।

समपार फाटक पर ट्रेन की टक्कर से कार में सवार दो स्कूली छात्र समेत पांच लोगों की मौत

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक खुले रेलवे समपार फाटक पर एक कार को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस घटना में दो स्कूली छात्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गोबिंदापुर में दुर्घटना वाली जगह पर नाराज ग्रामीणों के विरोध-प्रदर्शन के बीच पुलिस ने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में 'गेटमैन' को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, रेलवे के एक स्थायी पथ निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''दुर्घटना में कुल पांच लोगों की मृत्यु हुई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण और हृदयविदारक है। 'गेटमैन' को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच की जा रही है।'' अधिकारियों ने बताया कि हादसा सुबह करीब सात बजे पूर्वी रेलवे के हावड़ा मंडल के अजीमगंज-कटवा खंड में कर्ण सुबर्ण रेलवे स्टेशन के पास हुआ। घटना के वक्त छात्रों को स्कूल ले जा रही एक कार पटरी पार करने की कोशिश कर रही थी, तभी निमतिता-कटवा पैसेंजर ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी। पटरी पार कर रहे एक साइकिल सवार को भी ट्रेन ने अपनी चपेट में ले लिया। घायलों को शुरू में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें बर्द्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया। पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम माझी ने बताया कि रेलवे अधिकारियों की 10-सदस्यीय टीम ने घटना के कारणों की जांच के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा किया।

राम मंदिर दान में गबन पर एसआईटी सोमवार को अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर में दान के कथित गबन की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में सोमवार को सीधे शीर्ष अदालत को अंतरिम रिपोर्ट सौंप सकती है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह बात कही। सूत्रों ने यह भी कहा कि एसआईटी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को प्राप्त दान से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच को अंतिम रूप देने के लिए राज्य सरकार से अतिरिक्त समय मांग सकती है। यह घटनाक्रम कथित दान गबन की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय द्वारा सुनवाई किए जाने के कुछ दिन बाद हुआ है, जिसमें एसआईटी को जांच के संबंध में स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। तीन सदस्यीय एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन शामिल हैं। इसका गठन 13 जून को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया था। शुरुआत में इसे जांच पूरी करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया था और बाद में 15 दिन का समय और दे दिया गया था।

उच्चतम न्यायालय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच, फॉरेंसिक ऑडिट और ट्रस्ट के वित्तीय मामलों का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने प्राथमिकी दर्ज करने से पहले एसआईटी द्वारा जांच शुरू किए जाने के तरीके पर भी सवाल उठाया है और कथित गबन की समयबद्ध जांच की मांग की है।

गैर-जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए प्रेस की आजादी ढाल नहीं हो सकती है : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रेस की आजादी का उपयोग गैर-जिम्मेदार पत्रकारिता या कानून व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाली सामग्री के प्रसार के लिए ढाल के रूप में नहीं किया जा सकता, इसलिए ऐसी व्यवस्था (नियमन) आवश्यक है जो एक ओर प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करे और दूसरी ओर पत्रकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करे। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया ने हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल मंच के तेजी से विस्तार के कारण मीडिया के एक बड़े हिस्से' के बिना किसी नियम-कानून और बिना किसी संगठन के काम करने पर चिंता जताई।

न्यायमूर्ति कथपालिया ने कहा कि मीडिया को यह समझना चाहिए कि जनमत बनाने की उसकी ताक़त के साथ-साथ संयम, निष्पक्षता और जिम्मेदारी बरतने का एक अनकहा फर्ज भी जुड़ा होता है। उच्च न्यायालय ने कहा कि खुद को रिपोर्टर बताने वाले 'लोगों' का नागरिकों के सामने आक्रामक तरीके से माइक अड़ाकर ''तुरंत जवाब मांगना'' और फिर उनके चुप रहने पर इसे ''सवालों से बचने'' का तरीका बताना 'आम बात' हो गई है, ऐसे में लोगों के बीच गलत धारणा बनती है और जनता का बेवजह दबाव पैदा होता है। लोकतांत्रिक समाज में प्रेस की आज़ादी को एक जरूरी स्तंभ मानते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि चुनिंदा रिपोर्टिंग, सनसनी फैलाने या बिना पुष्टि किए ''आरोपों'' के जरिये समाज के किसी हिस्से को निशाना बनाने या बदनाम करने की प्रवृत्ति उतनी ही ''चिंताजनक'' है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे व्यवहार से सामाजिक दूरी बढ़ सकती है और सांप्रदायिक तनाव भी पैदा हो सकता है। उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को अपने फैसले में कहा, आज, मोबाइल फ़ोन और माइक्रोफ़ोन वाला कोई भी व्यक्ति खुद को 'रिपोर्टर' बता सकता है, जबकि अक्सर उसके पास न तो पत्रकारिता का कोई प्रशिक्षण होता है, न ही नैतिक समझ और न ही कोई जवाबदेही।

यदि स्थानीय समुदाय होंगे हिस्सेदार तो वन संरक्षण प्रयास होंगे असरदार : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि समाज को वनों की सुरक्षा के कार्य में भागीदार बनाने से संरक्षण के प्रयास अधिक प्रभावी एवं दीर्घस्थायी बनेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी प्रगति, जनसांख्यिकीय बदलाव और बढ़ती आकांक्षाएं उनके सामने नई चुनौतियां पेश करती रहेंगी। उन्होंने कहा, ''अधिकारियों के तौर पर आपको हालात के हिसाब से ढलने वाला और भविष्य की सोच रखने वाला होना चाहिए। आपको लगातार सीखते रहना चाहिए और नई सोच को अपनाना चाहिए तथा संवैधानिक मूल्यों से भी मजबूती से जुड़े रहना चाहिए।'' राष्ट्रपति ने उनसे संरक्षण, वन-पुनर्स्थापन तथा सतत आजीविका से जुड़ी पहल में जनभागीदारी को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों, वनवासियों, महिलाओं, किसानों तथा स्थानीय संस्थाओं के विचारों और चिंताओं को समझने से अधिकारियों को बहुमूल्य दृष्टिकोण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि समाज को वनों की सुरक्षा के कार्य में भागीदार बनाने से संरक्षण के प्रयास अधिक प्रभावी एवं दीर्घस्थायी बनेंगे।

मुर्मू ने कहा, ''स्थानीय लोगों के पारंपरिक ज्ञान ने पीढ़ियों से जंगलों को बचाकर रखा है। आपको प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच भरोसा कायम करना चाहिए।

'' राष्ट्रपति ने कहा कि वन सेवा के अधिकारियों की ज़िम्मेदारिया सिर्फ संरक्षण तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा, जंगलों में और उनके आस-पास रहने वाले लोगों की वैध आकांक्षाओं और पर्यावरण की सुरक्षा के बीच तालमेल जरूरी है।

मंगलूरु तट के पास नौका पलटी, आंध्र प्रदेश के छह मछुआरों को बचाया गया

मंगलूरु। कर्नाटक में मंगलूरु शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थित सुरतकल तट के पास उफनते समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नौका के पलट जाने से आंध्र प्रदेश के छह मछुआरे समुद्र में गिर गए, जिन्हें स्थानीय मछुआरों ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, उडुप्पी जिले के मालपे बंदरगाह से शुक्रवार सुबह मछली पकड़ने के लिए निकली इस नौका पर आंध्र प्रदेश के छह मछुआरे सवार थे। उन्होंने बताया कि मछली पकड़ने के दौरान नौका तेज लहरों की चपेट में आ गई, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। अधिकारियों के मुताबिक, नौका पलटने से सभी छह मछुआरे समुद्र में जा गिरे।

सूर्यास्त 18-07-2026	सूर्योदय 19-07-2026
6:50 बजे	6:04 बजे

BSE	NSE
78,151.45	24,334.30
(+964.58)	(+261.55)

सोना	चांदी
14,680 रु.	225,166 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँधी सोच

हैं विश्व शांति के पोषक पर,
चर्चा में रखते सदा युद्ध।
युग के संबंधों को तज कर,
पल में हो जाते बड़े क्रुद्ध।
संकीर्ण अभी भी मनोभाव,
चाहे खुद को कह लें प्रबुद्ध।
हम हुए खुले में शौच मुक्त,
पर खुली सोच के हैं विरुद्ध।।

राष्ट्र और समाज की एक सदी की सेवा के बावजूद आरएसएस को गलत समझा गया : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

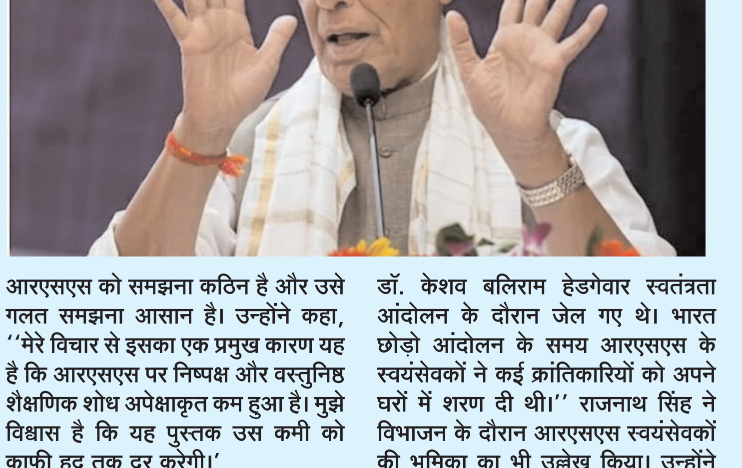

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पिछले 100 वर्षों से लगातार देश और समाज की सेवा कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी संगठन के बारे में या तो अनभिज्ञ है या भ्रामक जानकारी के आधार पर अपनी राय बना चुका है। सिंह ने कहा कि ऐसा आरएसएस के बारे में गढ़े गए विमर्श के कारण हुआ है।

वाइस प्रेसिडेंट्स एन्क्लेव में पुस्तक 'आरएसएस ऐट 100 : ए सेंचुरी ऑफ सर्विस, यूनिटी एंड सेक्रीफाइस' के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित एक छोटे से स्वयंसेवी संगठन के रूप में शुरू हुआ आरएसएस आज दुनिया का सबसे बड़ा और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा, ''आरएसएस पिछले 100 वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है। फिर भी आज समाज का एक बड़ा वर्ग या तो इसके बारे में अनभिज्ञ है या भ्रामक जानकारी के आधार पर अपनी राय बना चुका है।''

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी विद्वानों वॉल्टर एंडरसन और श्रीधर डी. दामले की पुस्तक 'द ब्रदरहुड इन सैफरन' का उल्लेख करते हुए कहा कि लेखकों ने लिखा है कि आरएसएस को समझना कठिन है और उसे गलत समझना आसान है। उन्होंने कहा, ''मेरे विचार से इसका एक प्रमुख कारण यह है कि आरएसएस पर निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ शैक्षणिक शोध अपेक्षाकृत कम हुआ है। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक उस कमी को काफी हद तक दूर करेगी।'

' आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका न होने के आरोपों को खारिज करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इस तरह का विमर्श वर्षों से फैलाया गया है। उन्होंने दावा किया कि संगठन ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आजादी की लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

सिंह ने कहा, ''जो लोग ऐसा मानते हैं, उन्हें इस पुस्तक का चौथा अध्याय पढ़ना चाहिए। उसमें बताया गया है कि आरएसएस के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की थी। स्वयं डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल गए थे। भारत छोड़ो आंदोलन के समय आरएसएस के स्वयंसेवकों ने कई क्रांतिकारियों को अपने घरों में शरण दी थी।'' राजनाथ सिंह ने विभाजन के दौरान आरएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय स्वयंसेवकों ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा के लिए कार्य किया था।

कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में आरएसएस के पंजीकृत संगठन न होने को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देना भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा, ''हाल ही में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने सवाल उठाया कि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन क्यों नहीं है। मेरी राय में ऐसे प्रश्नों का उत्तर देना भी आवश्यक नहीं है।''

पूजा

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में शुक्रवार को गोंचा उत्सव के दौरान जनकपुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

'3 इडियट्स' सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं थी : आमिर खान

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता आमिर खान के इस बयान पर शुक्रवार को बहस छिड़ गई कि '3 इडियट्स' फ़िल्म में उनका किरदार 'फुंसुख वांगड़' सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं था। उनके इस बयान की राजद, कांग्रेस और आप जैसी पार्टियों ने आलोचना की और कहा कि सत्ताधारी खेमे के डर से अभिनेता कोई रुख नहीं अपनाना चाहते। खान ने लंदन भारतीय फिल्म महोत्सव में एक सवाल के जवाब में कहा कि जब 2009 में '3 इडियट्स' बनाई गई थी तब वह, निर्देशक राजकुमार हिरानी और लेखक अभिजात जोशी सोनम वांगचुक को नहीं जानते थे। उन्होंने कहा, वास्तव में यह एक गलत धारणा है। जब हम फिल्म '3 इडियट्स' बना रहे थे, उस समय मुझे सोनम वांगचुक के बारे में जानकारी नहीं थी। मैं आपको बताना चाहता हूं कि न तो राजू (राजकुमार हिरानी) और न ही फिल्म के लेखक अभिजात, और न ही मुझे वांगचुक के बारे में पता था। हम उन्हें नहीं जानते थे। हालांकि, सोनम जो काम कर रहे हैं, वह अच्छा काम है। उनका सम्मान करने और उनके काम की सराहना करने के लिए '3 इडियट्स' के किरदार का जिक्र करना जरूरी नहीं।

जैसलमेर जिले में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष फोकस दें अधिकारी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जैसलमेर। केन्द्रीय पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीमावर्ती जैसलमेर जिले में आमजन को निर्बाध पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन और संबंधित विभागों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी रखते हुए लोगों तक समय पर पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराया जाए एवं विद्युत आपूर्ति को भी सुचारू बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। शुक्रवार को अपने एक दिवसीय जैसलमेर प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने जिले की पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं राहत प्रबंधन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए विभागीय अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि किसी भी क्षेत्र में आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में जिला कलक्टर अनुपमा जोरवाल, पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी, फलोदी विधायक पब्बाराम बिश्नोई, समाजसेवी दलपत हिंगड़ा सहित जलदाय, विद्युत एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि सभी पशु खेलियों को नियमित रूप से भरवाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में पशुधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए किसी भी स्थिति में पशुओं को पानी की कमी नहीं होने दी जानी चाहिए। उन्होंने वर्तमान पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए जलदाय एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे जिले में जलापूर्ति की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा जहां कहीं भी जल संकट की स्थिति हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने संभावित अल्पवृष्टि की स्थिति को देखते हुए राहत प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर पशु शिविर एवं चारा डिपो संचालित करने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व तैयारी के साथ सुनिश्चित की जाएं ताकि पशुपालकों एवं ग्रामीणों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मोहनगढ़ जिले की पेयजल व्यवस्था का प्रमुख स्रोत है। आंधियों के दौरान विद्युत टावर एवं पोल क्षतिग्रस्त होने से जलापूर्ति प्रभावित होती है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान विद्युत उत्पादन एवं प्रसारण निगम के साथ समन्वय स्थापित कर इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए विस्तृत परियोजना तैयार की जाए, ताकि राज्य सरकार के स्तर पर आवश्यक स्वीकृतियां लेकर दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पेयजल एवं विद्युत जैसी मूलभूत सेवाओं में किसी प्रकार का व्यवधान आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करता है, इसलिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करें।

बैठक के उपरांत केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आमजन से प्राप्त प्रार्थना-पत्र स्वीकार किए एवं संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार प्राथमिकता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर पेयजल, विद्युत एवं अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए। केन्द्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी एवं सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अनुशासन और लगातार अभ्यास ने नीट-यूजी में तीसरी रैंक पाने में मदद की : उपलक्ष्य गोयल

जयपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक (यूजी) पुनर्परीक्षा की ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) में तीसरे स्थान पर रहे उपलक्ष्य गोयल ने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन पूर्ण तैयारी, लगातार अभ्यास और अपने माता-पिता व शिक्षकों के सहयोग को दिया है। गोयल ने बताया कि वह दिन में 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते थे और डॉक्टर बनने के अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते थे। उन्होंने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सबसे बड़ी खुशी अपने माता-पिता को खुश देखना है जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। नीट के प्रश्न पत्र लीक होने का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि वह शुरू में निराश हुए थे।

उन्होंने कहा, यह अनिश्चित लग रहा था कि इतनी कड़ी मेहनत के बाद नतीजे का कोई महत्व रहेगा या नहीं। बाद में, मैंने दोबारा परीक्षा को अपनी गलतियों को सुधारने के एक मौके के तौर पर देखा। गोयल ने बताया कि तैयारी के दौरान उन्होंने पारिवारिक कार्यक्रमों और बाहर घूमने-फिरने से परहेज किया और अपना पूरा समय पढ़ाई में लगाया।

नीट की तैयारी कर रहे छात्रों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अपने शिक्षकों पर भरोसा करना चाहिए, नियमित रूप से सवालों का अभ्यास करना चाहिए और अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बार-बार 'टेस्ट' देने चाहिए।

उनके पिता मुकेश गोयल ने कहा कि यह उपलब्धि परिवार के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि उनके बेटे ने बिना कोई 'ड्रॉप ईयर' लिए पहले ही प्रयास में नीट पास करने का लक्ष्य रखा था। उन्होंने कहा, वह हमेशा से डॉक्टर बनना चाहता था। पेपर लीक होने के बाद भी वह अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहा। हमें उसकी तैयारी के स्तर से पता था कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा।

भुसावर कृषि महाविद्यालय को मिली नई पहचान, राज्यपाल ने किया नवीन भवनों का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भरतपुर। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर की भरतपुर जिले मे अधीनस्थ इकाई कृषि महाविद्यालय, भुसावर में नवनिर्मित प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन, छात्रावास, कन्या छात्रावास एवं कैंटीन का भव्य लोकार्पण किया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है और कृषि विश्वविद्यालय किसानों के भविष्य को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक भवन तभी सार्थक होंगे, जब यहां से निकलने वाले विद्यार्थी ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से समाज और कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, सहनशीलता और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने तथा रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने वाला बनने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कृषि शिक्षा से प्राप्त वैज्ञानिक जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाने पर बल देते हुए कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने स्टार्टअप, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि भुसावर क्षेत्र उद्यानिकी उत्पादन में अग्रणी है और यहां आम, नींबू तथा अमरूद का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। उन्होंने किसानों से मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों के उपयोग की अपील करते हुए कहा कि इससे मिट्टी की उर्वरता सुरक्षित रहेगी और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलेगा।

समारोह की शुरूआत वृक्षारोपण और नवीन भवनों के लोकार्पण के साथ हुई। इसके बाद राज्यपाल ने भवनों का निरीक्षण किया तथा महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'भुसावर एट ए ग्लांस' का विमोचन किया।

आसाराम की अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, राजस्थान सरकार से मांगी मेडिकल रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जोधपुर । जोधपुर में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आसाराम ने अदालत से कुछ समय के लिए अंतरिम जमानत देने की मांग की है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट की जांच कर यह बताए कि क्या उनकी स्वास्थ्य स्थिति वास्तव में इतनी गंभीर है कि उन्हें इलाज के लिए कुछ समय की अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। हालांकि, राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि फिलहाल आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति ठीक है।

उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने पहले आसाराम अयोध्या और काशी विश्वनाथ गए थे, जहां उन्होंने पैदल घूमकर दर्शन किए थे। इसके बावजूद सरकार संबंधित अधिकारियों से ताजा स्वास्थ्य रिपोर्ट और अन्य आवश्यक जानकारी लेकर अदालत के सामने पेश करेगी।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि मेडिकल रिपोर्ट से यह साबित होता है कि आसाराम की हालत वास्तव में गंभीर है, तो अदालत नहीं चाहती कि उनके साथ कोई अनहोनी हो। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सिर्फ इलाज के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए अंतरिम जमानत देने पर विचार किया जा सकता है।

अदालत ने इस मामले में राजस्थान सरकार को 21 जुलाई तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सरकार की रिपोर्ट आने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट अंतरिम जमानत की मांग पर फैसला करेगा।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 में जोधपुर स्थित अपने आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में आसाराम को 1 सितंबर 2013 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद लंबी सुनवाई चली और अप्रैल 2018 में जोधपुर की विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद से ही वह जेल में बंद हैं।

कृषि अवसंरचना एवं एफपीओ को बैंकिंग सहायता सुदृढ़ करने पर मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (रीति) द्वारा योजना भवन में शुक्रवार को कृषि मूल्य शृंखलाओं एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए बैंकिंग सहायता विषय पर राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कृषि अवसंरचना, मूल्य संवर्धन, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, लॉजिस्टिक्स तथा किसान उत्पादक संगठनों के लिए संस्थागत वित्त तक पहुंच को सुदृढ़ बनाकर किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना रहा।

कार्यशाला में एफपीओ एवं कृषि मूल्य शृंखलाओं के वित्तपोषण में आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हुए संस्थागत ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। इनमें कटाई उपरांत अवसंरचना जैसे वेयरहाउस, कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, छंटाई एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में निवेश को प्रोत्साहित करना, फसल पैटर्न एवं बाजार की आवश्यकता के अनुरूप जिला-विशिष्ट ऋण योजनाएं तैयार करना, जलवायु अनुकूल कृषि अवसंरचना के लिए वित्तपोषण को बढ़ावा देना तथा क्लस्टर आधारित एवं एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) मॉडल पर आधारित वित्तीय सहायता को प्रोत्साहित करना शामिल है।

कार्यशाला के दौरान कृषि क्षेत्र में उपलब्ध अप्रयुक्त ऋण क्षमता के बेहतर उपयोग, विशेष रूप से कटाई उपरांत अवसंरचना संबंधी चुनौतियों के समाधान, जिला-विशिष्ट कृषि मूल्य शृंखलाओं को सुदृढ़ बनाने तथा कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहित करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर आरबीआई, नाबार्ड एवं एसएलबीसी द्वारा किसान उत्पादक संगठनों और कृषि मूल्य शृंखलाओं के लिए संचालित विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकार की ऋण-संबद्ध योजनाओं की जानकारी दी। इनमें यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई), कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) तथा नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीद (एनडब्ल्यूआर) वित्तपोषण जैसी प्रमुख योजनाओं की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई।

बताया गया कि यूएलआई के माध्यम से डिजिटल ऋण वितरण प्रणाली को गति मिलेगी तथा ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होगी। इसके अतिरिक्त डिजिटल ऋण मूल्यांकन प्रणाली एवं तकनीक आधारित ऋण प्लेटफॉर्म का विस्तार कर संस्थागत वित्त तक किसानों और एफपीओ की पहुंच आसान बनाने, एफपीओ की तकनीकी क्षमता एवं वित्तीय साक्षरता को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण, हैंडहोल्डिंग सहायता और व्यवसाय विकास सेवाओं को बढ़ावा देने तथा कृषि अवसंरचना निधि, पीएमएफएमई, एनडब्ल्यूआर वित्तपोषण सहित अन्य ऋण-संबद्ध योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अभिसरण पर भी बल दिया गया। कार्यशाला के समापन पर सभी विभागों, वित्तीय संस्थानों एवं किसान उत्पादक संगठनों ने आपसी समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने, कृषि अवसंरचना एवं कृषि मूल्य शृंखलाओं में निवेश को गति देने तथा संस्थागत ऋण प्रवाह का विस्तार कर किसानों की आय वृद्धि एवं 'विकसित राजस्थान-2047' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यशाला में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी,भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) तथा अन्य प्रमुख हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

परिसीमन-महिला आरक्षण पर विपक्ष फिर होगा बेनकाब : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने संसद के मानसून सत्र से पहले परिसीमन और महिला आरक्षण पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने दो टूक कहा कि विपक्ष की चाल क्या है? चरित्र क्या है? जो दोहरे चेहरे वाले लोग हैं, वे पिछले संसद सत्र में बेनकाब हुए थे, अब एक बार फिर होने वाले हैं। शुक्रवार को अपने जोधपुर आवास पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में शेखावत ने कहा कि बढ़ती आबादी के चलते लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। आजादी के बाद संविधान में इसके लिए स्पष्ट व्यवस्था की गई थी। वर्ष 2008 में लागू हुए पिछले परिसीमन एक्ट में यह प्रावधान किया गया था कि वर्ष 2025 के बाद पुनः परिसीमन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी देश के विकास में महिलाओं की केवल सहभागिता ही नहीं, बल्कि उनके सशक्त नेतृत्व को सुनिश्चित करना चाहते हैं। विधायी कार्यों में महिलाओं की भागीदारी को एक्ट ऑफ पार्लियामेंट द्वारा सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से डीलिमिटेशन का होना अत्यंत आवश्यक है।

महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के रवैये पर तीखा प्रहार करते हुए शेखावत ने कहा कि जब पिछले सत्र में महिला आरक्षण और इससे जुड़े विषय लोकसभा के पटल पर रखे गए थे, तब विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा और महिलाओं की भागीदारी को रोकने का उनका चाल व चरित्र पूरी तरह बेनकाब हो गया था। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा सत्र शुरू होने के साथ ही जब बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक होगी और सभी दलों के सदस्य सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे तो इस विधेयक को पटल पर लाया जाएगा। शेखावत ने कहा कि विपक्ष के दोहरे चेहरे वाले लोग एक बार फिर देश की जनता के सामने बेनकाब होने के लिए तैयार रहें।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश को 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक स्तर पर तैयार करने के दृष्टिकोण से आज का दिन बेहद ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर के लगभग 1500 रेलवे स्टेशनों को मॉडर्नाइज करने का काम 5000 करोड़ से अधिक की लागत से जारी है। जालंधर में मुख्य समारोह से प्रधानमंत्री देश के 50 रेलवे स्टेशनों का एक साथ वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इस बड़ी सौगात में राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर सहित कुल आठ महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जैसलमेर मेरी जन्मस्थली और सीमा पर लगातार कई वर्षों तक काम करते हुए मेरी कर्मस्थली रही है।

जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास अवैध मस्जिद और मदरसे हटाए गए

जैसलमेर। जैसलमेर जिला प्रशासन ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में सरकारी जमीन पर बनी छह कथित अवैध मस्जिदों और मदरसों की इमारतों को अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत हटा दिया। यह कार्रवाई बृहस्पतिवार को प्रशासन के 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत नाचना, तनोट और शाहगढ़ इलाकों में की गई।

अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान मीरपुर, हिंदोलों की ढाणी, अहमदपुरा और धानाना जैसे गांवों में चलाया गया। राजस्व, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जेसीबी का इस्तेमाल कर इन ढांचों को हटा दिया गया। प्रशासन के अनुसार, जिन निर्माण या ढांचों को ढहाया गया वे सरकारी जमीन पर बनाए गए थे, जिसमें पोंग बांध परियोजना से विस्थापित परिवारों के लिए आरक्षित जमीन भी शामिल है।

इसने कहा कि जिन गांवों या ढाणियों में अभियान चला गया वे अंतरराष्ट्रीय सीमा के लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। सीमावर्ती क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए 'ऑपरेशन' के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की भारी तैनाती रही। प्रशासन ने बताया कि यह अभियान राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ के 13 जुलाई के आदेश के बाद दुबारा शुरू हुआ।

अदालत ने सीमा क्षेत्र में धार्मिक संस्थानों को जारी बेदखली और कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। इसके बाद प्रशासन ने लंबे समय से लंबित अभियान को फिर से शुरू कर दिया।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व के पास दो तेंदुओं को पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन विभाग ने राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के पास आवासीय इलाके से दो तेंदुओं को पकड़कर जंगल में छोड़ा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार फलोदी टोडरा इलाके के पास इन तेंदुओं के बार-बार देखे जाने और उससे स्थानीय लोगों में दहशत के बाद वन विभाग ने चौबीसों घंटे निगरानी रखते हुए इन तेंदुओं की गतिविधियों पर नजर रखी। तेंदुओं को बृहस्पतिवार रात पकड़े जाने से पहले कैमरा ट्रैप, फील्ड ट्रैकिंग और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर निगाह रखते हुए इन्हें बृहस्पतिवार रात सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया। अधिकारियों के अनुसार यह अभियान वैज्ञानिक तरीकों से चलाया गया और साथ ही स्थानीय लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया।

जीबीए चुनाव दिसंबर तक होंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के तहत गठित पांच नगर निगमों के चुनाव दिसंबर तक कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उच्चतम न्यायालय ने जीबीए के चुनाव पहले 30 जून तक कराने का निर्देश दिया था। बाद में राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए अतिरिक्त समय मांगे जाने पर समयसीमा 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई थी।न्यायालय ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को देखते हुए इस समयसीमा को दिसंबर के अंत तक बढ़ा दिया।

शिवकुमार ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा, हम दिसंबर तक सभी स्थानीय निकायों के चुनाव करा देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य इस वर्ष के अंत तक जिला पंचायत, तालुक पंचायत, ग्राम पंचायत और नगर निगमों समेत सभी स्थानीय निकायों के चुनाव संपन्न कराना है।र

ये चुनाव जीबीए व्यवस्था के तहत गठित पांच नगर निगमों के लिए होने हैं। इस नयी व्यवस्था ने बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की पुरानी प्रणाली का स्थान लिया है। इसके तहत शहर के 369 वार्डों को शामिल करते हुए पांच नगर निगमों के माध्यम से विकेंद्रीकृत प्रशासन की परिकल्पना की गई है।

ग्रेटर बेंगलूरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने से पहले चुनाव कराने से दोनों प्रक्रियाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि आठ अगस्त तक दो अलग-अलग मतदाता सूची होने की संभावना है-एक पुरानी और दूसरी एसआईआर के बाद तैयार होने वाली। ऐसे में पुरानी सूची के आधार पर चुनाव कराने से करीब तीन लाख मतदाताओं का अंतर सामने आ सकता है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं।

गौड़ा ने कहा, यह स्पष्ट है कि यदि एसआईआर के साथ-साथ चुनाव कराए गए तो न तो एसआईआर सही ढंग से होगा और न ही चुनाव। व्यावहारिक रूप से यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कानूनी जटिलता के अलावा चुनाव टालने के पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है और सरकार चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार तथा प्रतिबद्ध है।

उच्चतम न्यायालय ने बेंगलूरु में पांच नगर निगमों के चुनाव कराने की समय-सीमा दिसंबर तक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बेंगलूरु के पांच नगर निगमों में चुनाव कराने की समय-सीमा दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने यह आदेश जारी किया। इससे पहले, शीर्ष अदालत को यह जानकारी दी गई कि कर्नाटक में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत को बताया कि राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है और मतदाता सूचियों को इस साल नवंबर में अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने नगर निकाय चुनाव कराने की समय-सीमा बढ़ाने का भी अनुरोध किया। पीठ ने दलीलों पर गौर करते हुए कहा, ''चूंकि कर्नाटक में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है और यह नवंबर में पूरी हो जाएगी, इसलिए निर्देश दिया जाता है कि सभी पांच नगर निगमों के चुनाव दिसंबर 2026 में कराए जाएं।'' न्यायालय ने इससे पहले चुनाव कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की थी।

वार्षिक भर्ती कॉन्फ्रेंस में लिए गए कई नीतिगत फैसले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां 39वीं वार्षिक भर्ती कॉन्फ्रेंस गुरुवार और शुक्रवार को हुई। इस दौरान कई नीतिगत फैसले लिए गए। भर्ती महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल आरएस सुंदरम ने कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने में सभी गणमान्य लोगों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भर्ती वह आधार है, जिस पर भारतीय सेना की भविष्य की ताकत और ऑपरेशनल तैयारी टिकी हुई हैं। उन्होंने पारदर्शी, तकनीक-आधारित, समावेशी, कुशल और भविष्य के लिए तैयार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर ज़ोर दिया। साथ ही, भरोसा जताया कि कॉन्फ्रेंस में लिए गए फ़ैसलों से सेना में भर्ती प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा।

इंडिगो की बेंगलूरु-अहमदाबाद उड़ान में बम रखे होने की झूठी धमकी मिलने पर प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो की उड़ान के अहमदाबाद के लिए निर्धारित प्रस्थान से पूर्व उसमें बम होने की झूठी धमकी मिलने पर शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 16 जुलाई को रात आठ बजे इंडिगो की उड़ान 6ई-6423 यहां से प्रस्थान करने वाली थी, उससे पूर्व यह घटना घटी।

पुलिस के अनुसार, शाम करीब सात बजकर 35 मिनट पर चालक दल के एक सदस्य को आगे के शौचालय में हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिस पर लिखा था, 'जाओ मत। बम है।'

पुलिस के मुताबिक इसके बाद तत्काल मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गयी और विमान की अच्छी तरह से तलाशी की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इंडिगो ने केएआईएल थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि इस धमकी की वजह से काफी परेशानी हुई और यात्रियों, चालक दल और एयरलाइन की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हुई।

शिकायत में कहा गया है, ''हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस घटना की जांच में सहायता करें, ताकि जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान की जा सके और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा सके।''

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान करने एवं झूठी धमकी के पीछे का मकसद पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

भाजपा ने बिड़दी टाउनशिप के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने बेंगलूरु दक्षिण जिले में बिड़दी के पास नयी टाउनशिप बसाने के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के खिलाफ यहां फ्रीडम पार्क में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। भाजपा ने राज्य की डीके शिवकुमार सरकार से इस परियोजना को तत्काल रद्द करने और विरोध कर रहे किसानों पर दर्ज आपराधिक मामले वापस लेने की मांग की। कर्नाटक की मुख्य विपक्षी पार्टी ने चेतावनी दी कि वह पूरे राज्य में किसानों के साथ मिलकर सड़कों पर और विधानसभा के अंदर संघर्ष करेगी। भाजपा ने जल्द ही बिड़दी से बेंगलूरु तक पदयात्रा निकालने की भी घोषणा की।

भाजपा के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, विधानसभा और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष क्रमशः आर. अशोक और चलवादी नारायणस्वामी तथा केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने किया। किसानों और स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद, सरकार ने 'बृहद बेंगलूरु एकीकृत टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की खातिर दो अंतिम अधिसूचना जारी कर दी है। इस परियोजना को भारत में कृत्रिम मेधा आधारित पहली 'एकीकृत टाउनशिप' के तौर पर पेश किया जा रहा है। बिड़दी के आस-पास के गांवों के कुछ किसान, जो इस परियोजना के लिए अपनी उपजाऊ कृषि भूमि के प्रस्तावित अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं, भी इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए।

हाथों में तख्तियां लिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें ''किसान-विरोधी'' बताया। येडीयुरप्पा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि शिवकुमार सरकार सत्ता के ''नशे में'' चूर है और किसानों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा, ''विनाश काले विपरीत बुद्धि। यह सरकार भारी बहुमत के प्रभाव में एक तुगलक दरबार बन गई है।''

राज्य के भविष्य को बचाने के लिए इस सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करते हुए येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री से इस परियोजना को रद्द करने की अपील की। उन्होंने सवाल किया, विरोध के बावजूद बिड़दी के पास टाउनशिप परियोजना को आगे क्यों बढ़ाया जा रहा है? इसे किसी ऐसी जगह क्यों नहीं बनाया जा रहा जहां बड़े पैमाने पर सरकारी ज़मीन उपलब्ध हो?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''यह बात जगज़ाहिर है कि कांग्रेस आलाकमान को फ़ायदा पहुंचाने के लिए रियल एस्टेट के ज़रिए लूट-खसोट करना ही आपका मकसद है।'' उन्होंने चेतावनी दी कि ''भाजपा और जनता दल सेक्युलर मिलकर कांग्रेस सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोकेंगे।''

विजयेंद्र ने शिवकुमार पर आरोप लगाया कि वह रियल एस्टेट कारोबार में शामिल हैं और इसलिए किसानों से ज़बरन उपजाऊ ज़मीन ली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के घरों पर गुंडे भेजे जा रहे थे। विजयेंद्र ने आरोप लगाया, ''शिवकुमार ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को भरोसा दिलाया था कि अगर सिद्दरामय्या को पद से हटाकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो वह बिड़दी टाउनशिप परियोजना को लागू करेंगे और इस परियोजना में डीएलएफ को मौका देंगे। अब वह उसी वादे को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।''

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि किसानों की सुरक्षा की बात करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'गायब' हैं। उन्होंने गांधी से दखल देने और मुख्यमंत्री को किसानों के खिलाफ मामले वापस लेने और परियोजना को रद्द करने का निर्देश देने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस रियल एस्टेट सौदे में मुख्यमंत्री के साथ-साथ कांग्रेस आलाकमान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र से पहले भाजपा बिड़दी से बेंगलूरु तक पदयात्रा निकालेगी।

सूत्रों के मुताबिक बिड़दी परियोजना के लिए नौ राजस्व गांवों और 16 गैर राजस्व गांवों में फैली 9,600 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण करना होगा। राज्य सरकार ने पिछले साल मार्च में इस प्रस्तावित परियोजना के लिए इलाके के नौ गांवों में कुल 7,481 एकड़ ज़मीन के अधिग्रहण की खातिर शुरुआती अधिसूचना जारी की गई थी और आने वाले दिनों में इस संबंध में और अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है।

यात्रियों की सुरक्षा लिए ड्रोन सर्विलांस सिस्टम लॉन्च

बेंगलूरु। इंडियन रेलवे पैसेंजर और रेलवे एसेटस की सेफ्टी और सिक्योरिटी को और मज़बूत करने के लिए लगातार एडवांस्ड टेक्नोलॉजी अपना रहा है। सिक्योरिटी उपायों को मॉडर्न बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, बेंगलूरु डिवीज़न ने ड्रोन कैमरे खरीदे हैं, जिससे क्राउड मैनेजमेंट, रेलवे प्रॉपर्टी की सुरक्षा और पैसेंजर सेफ्टी की लगातार मॉनिटरिंग हो सकेगी। ड्रोन चलाने के लिए चुने गए आरपीएफ जवानों ने कर्नाटक स्टेट पुलिस रिमोट पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में खास ट्रेनिंग ली है और उन्हें ड्रोन ऑपरेटर सर्टिफिकेट दिया गया है।

शुक्रवार को बेंगलूरु डिवीज़न के डिवीज़नल रेलवे मैनेजर आशुतोष कुमार सिंह ने केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर ड्रोन सर्विलांस सिस्टम का उद्घाटन किया। इस मौके पर, उन्होंने ड्रोन कैमरे की फुटेज की क्वालिटी, ऑपरेशनल रेंज और इसके सर्विलांस फीचर्स सहित ड्रोन की क्षमताओं का रिव्यू किया।

इस कार्यक्रम में सीनियर डिवीज़नल सिक्योरिटी कमिश्नर, बेंगलूरु डिवीज़न श्रेयांस चिंचवड़े और रेलवे के दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए। नए जोड़े गए ड्रोन कैमरों को बेंगलूरु डिवीज़न के बड़े रेलवे स्टेशनों और दूसरी ज़रूरी जगहों पर लगाया जाएगा।

पूजा

कर्नाटक के मैसूरु जिले में पहले आषाढ़ शुक्रवार के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित श्री चामुंडेश्वरी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु। इस विशेष अवसर के लिए मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था।

द्रमुक ने अलग न्यायाधिकरण की मांग की, संसद में उठाएगी कावेरी जल बंटवारे का मुद्दा

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र सरकार से मेकेदातु बांध विवाद के समाधान के लिए तत्काल एक विशेष न्यायाधिकरण गठित करने तथा यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि तमिलनाडु के वैध हिस्से का कावेरी नदी का पानी कर्नाटक बिना किसी और विलंब के छोड़े। पार्टी अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की अध्यक्षता में संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले बृहस्पतिवार को आयोजित द्रमुक सांसदों की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में 12 जून को परंपरागत तिथि पर मेट्टूर बांध के द्वार नहीं खोले जाने से राज्य के किसानों पर पड़े गंभीर असर पर चिंता जतायी गयी।

द्रमुक परिसीमन पर विधेयक का अध्ययन कर गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेगी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को कहा कि जब प्रस्तावित परिसीमन से जुड़ा विधेयक संसद में पेश किया जाएगा, तो वह उसका अध्ययन करेगी और तमिलनाडु के हितों की रक्षा के लिए 'गुण-दोष' के आधार पर निर्णय लेगी। पार्टी सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब विधेयक के दायरा और मकसद का पता चलेगा, तो उसका विश्लेषण किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए द्रमुक का फैसला स्वतंत्र और गुण-दोष पर आधारित होगा।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी को यह जानकारी मिली है कि परिसीमन पर प्रस्तावित विधेयक एक अलग कानून होगा, न कि इससे जुड़े कानूनों के किसी समूह का हिस्सा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सीट में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी और राज्यों के बीच सीट के बंटवारे के मौजूदा अनुपात को बनाए रखने जैसे मुद्दों पर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई को हुई पार्टी सांसदों की बैठक में परिसीमन मुद्दे पर भी चर्चा हुई तथा लंदन में मौजूद द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक को संबोधित किया। द्रमुक ने परिसीमन की प्रक्रिया का उसके पिछले रूप में कड़ा विरोध किया था। इस सिलसिले में संविधान संशोधन विधेयक अप्रैल में संसद में पारित नहीं हो पाया था।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव हारने पर द्रमुक के सत्ता से बाहर होने के बाद लंबे समय से उसकी सहयोगी रही कांग्रेस पार्टी ने उसका (द्रमुक का) साथ छोड़कर टीवीके का दामन थाम लिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: MD/Lab/HU-SKLR
दिनांक: 01.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए निविदाएं (कोटेशन) आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सकलेशपुर पर रेलवे हेल्त यूनिट में तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए आस्पताल / लैबोरेटरी / डयॉग्नस्टिक सेंटर का एम्पेनेलमेंट के लिए कोटेशन का आमंत्रण।	रु. 5,40,000/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.08.2026, 17:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में

मुख्य वैद्यकीय अधीक्षक / रेलवे आस्पताल / मैसूरु

PUB/311/AAD/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 296-H-M-DSL-OHLof BOGIES दिनांक: 10.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली, लोको शेड में दो (2) वर्ष की अवधि के लिए डब्ल्यूएपी7 / डब्ल्यूएजी9-एचसी लोकोमोटीव के को-को फ्लेक्सी-कॉयल मार्क घन हाई अधेशन बोगियों का ओवरहॉलिंग। **तकनीकी योग्यता:** अनिवार्य होगा। (**कार्य का समापन:** 02 वर्ष / 24 महीने)	रु. 6,35,94,467.50

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 31.07.2026, 17:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरएस/ हुबली

PUB/305/AAD/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

नर्स की हत्या के आरोपी ने चूहे मारने की दवा खाई, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में बस अड्डे पर एक नर्स की हत्या के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए 22 वर्षीय युवक को चूहे मारने की दवा खाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले की बेलथंगडी तालुक के ओदिलनाल निवासी चेतन के रूप में हुई है। वह मृतका का दूर का रिश्तेदार है। पुलिस ने बताया कि चेतन पर बृहस्पतिवार शाम दक्षिण कन्नड़ जिले की बंटवाल तालुक स्थित बीसी रोड केएसआरटीसी बस अड्डे पर 21 वर्षीय लावण्या पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या करने का आरोप है।

दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरुण के. ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार तड़के हिरासत में लिया गया और आगे की कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा, बृहस्पतिवार शाम बंटवाल थाना क्षेत्र में हत्या की घटना की सूचना मिली थी। शिकायत में कहा गया कि लावण्या की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी। शिकायत के आधार पर बंटवाल टाउन थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी मृतका का दूर का रिश्तेदार चेतन है।

उन्होंने कहा, ''वह युवती से एकतरफा प्रेम करता था। जांच में यह स्थापित हुआ है कि उसने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या की। आरोपी की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। शुक्रवार सुबह उसे मंगलूरु में हिरासत में लिया गया।''

अरुण के. ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने दावा किया कि उसने जहर खा लिया है। इसके बाद उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''स्वस्थ होने के बाद उसे आगे की पूछताछ के लिए थाने लाया जाएगा। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।'' पुलिस के अनुसार, बंटवाल तालुक के उली गांव के काक्यापदवु की रहने वाली लावण्या काम से लौट रही थी। वह बस में चढ़ने का प्रयास कर रही थी, तभी चेतन ने उसका रास्ता रोक लिया। घबराकर लावण्या वहां से भागने लगी, लेकिन आरोपी ने उसका पीछा कर भीड़भाड़ वाले बस अड्डे पर ही उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीच-बचाव करने का प्रयास करने वाले लोगों को भी आरोपी ने धमकाया और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया।पुलिस का कहना है कि चेतन लावण्या के प्रति एकतरफा लगाव रखता था। प्रारंभिक जांच में यह हमला पूर्वनियोजित और इसी जुनून से प्रेरित प्रतीत होता है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद लावण्या का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

शाम के समय भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थान पर हुई इस जघन्य घटना के बाद क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर व्यापक आक्रोश है। लावण्या पिछले आठ महीने से नर्स के रूप में कार्यरत थी। उसके परिजनों ने उसे मेहनती और महत्वाकांक्षी युवती बताया, जो अपने ग्रामीण परिवार का आर्थिक सहयोग कर रही थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी की चिकित्सकीय स्थिति पर नजर रखी जा रही है और उसकी हालत स्थिर होने के बाद पूछताछ फिर से शुरू की जाएगी। अस्पताल प्रशासन ने हालांकि बताया कि आरोपी धीरे-धीरे ठीक हो रहा है, लेकिन उसे अभी कुछ और समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ सकता है।

ए-12039/02/2026-स्था.III

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

विज्ञापन सं. डीएसटी/02/2026-स्था.III

टोक्यो (जापान) स्थित भारतीय दूतावास और बर्लिन (जर्मनी) स्थित भारतीय दूतावास में प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा सहित) के आधार पर **वैज्ञानिक अताशे** (समूह 'क', राजपत्रित) के दो (02) अस्थायी पदों को 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के वेतन स्तर 13ए पर भरने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। पात्रता मापदंड, आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया व समय-सीमा और अन्य सामान्य शर्तों और अपेक्षाओं के लिए, हमारी वेबसाइट (www.dst.gov.in) के प्रशासन एवं वित्त अनुभाग के अंतर्गत भर्ती प्रकोष्ठ वेबपृष्ठ पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें। भविष्य की सभी अद्यतन सूचनाएं केवल इस विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

अवर सचिव,
भारत सरकार

CBC 36101/11/0002/2627

सुविचार

ज्ञान सबसे बड़ी संपत्ति है, जिसे कोई चुरा नहीं सकता। पढ़ते रहें, सीखते रहें, स्वयं को बेहतर बनाते रहें, यही सच्ची उन्नति है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय ट्रेनों के हाइड्रोजन युग का आगाज

भारत ने पहली बार हाइड्रोजन से ट्रेन चलाकर इतिहास रच दिया। हरियाणा में जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन स्वदेशी तकनीक का एक और श्रेष्ठ उदाहरण है। अब तक अमेरिका, जर्मनी, चीन, जापान जैसे देशों के पास ही इसकी तकनीक थी। फ्रांस और इटली में भी हाइड्रोजन ट्रेनों की परियोजनाएं चल रही हैं, लेकिन वहां इनका परिचालन बहुत सीमित है। उनके संदर्भ में, परीक्षण चरण कहा जाए तो गलत नहीं होगा। ये देश बहुत साधन-संपन्न और विकसित माने जाते हैं। भारत ने अपने दम पर हाइड्रोजन ट्रेन चलाकर वह मुकाम हासिल किया है, जिसे असंभव माना जाता था। यह ट्रेन लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचाने के साथ ही भारत की तरक्की को नई रफ्तार देगी। कई लोग भारत के ज्ञान-विज्ञान को निशाना बनाने और अंग्रेजों को सर्वशक्तिमान एवं बहुत बड़ा सुधारक साबित करने के लिए कहते हैं कि 'ब्रिटेन की वजह से यहां ट्रेन चली थी, अन्यथा लोग आज भी बैलगाड़ी से सफर करते।' उन्हें आंखें खोलकर अच्छी तरह देख लेना चाहिए कि भारत के वैज्ञानिक किसी से कम नहीं हैं। हमारे वैज्ञानिकों ने अपनी बुद्धि और प्रतिभा से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन को संभव कर दिखाया है। यह सिर्फ रेलवे के इतिहास की नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुत बड़ी घटना है। जींद से सोनीपत के बीच लगभग 90 किमी का यह सफर भविष्य में हजारों किमी के दरवाजे खोलेगा। समय के साथ यह ट्रेन और उन्नत होती जाएगी। ट्रेन की शक्ति व सामर्थ्य में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी। वहीं, लागत में कमी लाने के लिए नए तौर-तरीके ढूंढ़े जाएंगे। इसका फायदा देश के करोड़ों नागरिकों को होगा।

भारत की यह ट्रेन अपनी ताकत के मामले में इस श्रेणी की अन्य ट्रेनों से बहुत आगे है। बत्तीस सौ हॉर्स पावर के साथ ट्रेन चलाना कोई मामूली बात नहीं है। जिन विकसित देशों में हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं, उनके साथ तीन-चार कोच ही जुड़े होते हैं। वहीं, भारत ने इसके साथ 10 कोच जोड़कर पटरियों पर उतार दिए। अगर इंजन क्षमता और कोचों की संख्या देखें तो विकसित देशों की हाइड्रोजन ट्रेनें भारतीय ट्रेन के सामने खिलौना हैं! यह ट्रेन स्वच्छ ईंधन की दिशा में एक मिसाल बन सकती है, क्योंकि इससे धुआं नहीं निकलेगा। चूंकि यह हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है, जो हाइड्रोजन को बिजली में बदल देगी, इसलिए स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था का पर्याय बनेगी। अगले 10 वर्षों में इसके जरिए जो बदलाव आएंगे, उन्हें देखकर दुनिया हैरान रह जाएगी। इन ट्रेनों से माल ढुलाई की लागत को घटाया जा सकता है। इससे कीमतों पर दबाव कम होगा। ग्राहकों को महंगाई से कुछ राहत मिलेगी। स्वदेशी तकनीक के साथ कई फायदे जुड़े होते हैं। हाइड्रोजन ट्रेन से देश को ईंधन सुरक्षा मिलेगी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने इसकी अहमियत बता दी है। भारतीय ट्रेनें 'डीजल युग' से निकलकर 'विद्युत युग' में प्रवेश कर गई थीं, इसलिए इनकी रफ्तार नहीं रुकी। अब 'हाइड्रोजन युग' भारतीय ट्रेनों को ईंधन के मामले में और ज्यादा सक्षम एवं सुरक्षित बना देगा। सौ साल पहले रेलवे के विद्युतीकरण की शुरुआत हो गई थी, लेकिन भारत में इसकी रफ्तार कम रही। यह जानकर आश्चर्य होता है कि साल 2014 तक पूरे देश में रेल नेटवर्क के सिर्फ 30 प्रतिशत हिस्से का ही विद्युतीकरण हुआ था! नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस काम में तेजी आई। अब यह आंकड़ा लगभग 99 प्रतिशत तक पहुंच गया है। देश को इससे और आगे बढ़ने की जरूरत है। हाइड्रोजन ट्रेनों का हर मार्ग पर विस्तार होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

अगर आज 2014 से पहले जैसे हालात होते, तो ग्लोबल तेल संकट की वजह से भारत का रेलवे सिस्टम ठप हो गया होता। लेकिन हमारी सरकार बहुत आगे की सोचती है और ज़मीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान भी लागू करती है, जिसके शानदार नतीजे देश देख रहा है।

-नरेन्द्र मोदी

कुछ ही देशों के पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की कैपेबिलिटी है। इस हाइड्रोजन ट्रेन के साथ भारत की कैपेबिलिटी के बारे में सुनकर आपको और हर भारतीय को गर्व महसूस होगा। जींद से सोनीपत तक चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे पावरफुल हाइड्रोजन ट्रेन है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राजस्थान में 8 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों सहित देश भर में कुल 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, उन्होंने नागौर के गोटन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अटूट आस्था व संशय

एक दिन भगवान श्रीकृष्ण भोजन करने बैठे ही थे कि अचानक वे उठ खड़े हुए। वे तेज़ी से महल के द्वार की ओर दौड़े, लेकिन कुछ ही क्षण बाद शांत और उदास भाव से लौट आए तथा पुनः भोजन करने लगे। यह देखकर रुक्मिणी जी आश्चर्यचकित हो गईं। उन्होंने विनम्रता से पूछा, 'प्रभु! आप इतनी शीघ्रता से बाहर क्यों गए, और फिर इतने उदास होकर वापस क्यों लौट आए?' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'मेरा एक भक्त राजधानी से होकर गुजर रहा था। वह एकतारा बजाते हुए प्रेम और भक्ति में डूबकर मेरा नाम गा रहा था। लोग उसे पागल समझकर उसका उपहास कर रहे थे, उस पर पत्थर बरसा रहे थे। उसके माथे से रक्त बह रहा था। उसे उस अवस्था में देखकर मैं उसकी रक्षा के लिए तुरंत दौड़ पड़ा।' रुक्मिणी जी ने फिर पूछा, 'तो फिर आप उसकी सहायता किए बिना लौट क्यों आए?' श्रीकृष्ण ने उत्तर दिया, 'मैं अभी द्वार तक ही पहुंचा था कि उसने अपना एकतारा नीचे रख दिया और स्वयं पत्थर उठाकर प्रतिकार करने के लिए तैयार हो गया। जब उसने अपनी रक्षा का भार स्वयं उठा लिया, तब मुझे लगा कि अब उसे मेरी सहायता की आवश्यकता नहीं रही।

सामयिक

पंजाब कांग्रेस में घमासान जारी

रोहित माहेश्वरी

पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल लगातार यह दोहरा रहे हैं कि फिलहाल प्रदेश संगठन में किसी तरह का नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। इसके बावजूद पार्टी के भीतर जारी खींचतान थमती नजर नहीं आ रही है। दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के नए संगठनात्मक ढांचे को लेकर मंथन तेज हो गया है। पार्टी आलाकमान किसी भी निर्णय से पहले सभी गुटों को विश्वास में लेने की कोशिश कर रहा है, ताकि भविष्य में संगठन के भीतर बेहतर तालमेल बनाया जा सके। इसी उद्देश्य से अलग-अलग नेताओं से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस में इस समय गुटबाजी और अंदरूनी कलह चरम पर पहुंच चुकी है। राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठनात्मक बदलावों को लेकर बड़े नेताओं के बीच खींचतान खुलकर सामने आ गई है। विवाद की सबसे बड़ी वजह वर्तमान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाने की मांग है। कई वरिष्ठ नेता उनके नेतृत्व शैली से असंतुष्ट हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी हाल ही में किए गए संगठनात्मक बदलावों और कमेटियों के गठन से नाराज बताए जा रहे हैं। उन्हें कैंपेन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन वे और उनके समर्थक प्रदेश नेतृत्व में बड़ा बदलाव चाहते हैं। वास्तव में, 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भी पंजाब कांग्रेस लगभग इसी दौर से गुजरी थी। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच सार्वजनिक टकराव ने पार्टी को भीतर से तोड़ दिया था। आलाकमान लंबे समय तक दोनों नेताओं के बीच संतुलन नहीं बना पाया। निर्णय लेने में देरी और नेतृत्व की असमंजस की स्थिति ने कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब कांग्रेस में एक बार फिर वैसे ही हालात बनते नजर आ रहे हैं।

पंजाब में कांग्रेस की राजनीति ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां दूसरे दलों से अधिक चुनौती कांग्रेस को अपने ही घर के भीतर से मिल रही है। विधानसभा चुनाव में अभी कुछ समय बाकी है, लेकिन मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे को लेकर कांग्रेस के चार वरिष्ठ नेता में अभी से घमासान छिड़ा हुआ है। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस के प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा खुद को अभी से ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके चलते कांग्रेस चार धड़ों में बंटी हुई नजर आ रही है। यही स्थिति कांग्रेस नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बनी है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब के पहले दलित मुख्यमंत्री रहे हैं और राज्य की लगभग एक-तिहाई दलित आबादी के बीच उनकी पहचान मानी जाती है। कांग्रेस नेतृत्व ने 2021 में उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास किया था। हालांकि इसका परिणाम कांग्रेस के खिलाफ ही आया। आज भी चन्नी अपने कथित सामाजिक आधार और जनसंपर्क शैली के कारण स्वयं को मुख्यमंत्री पद का स्वाभाविक दावेदार मानते हैं। उनकी कोशिश है कि कांग्रेस दलित मतदाताओं को फिर से अपने साथ जोड़ सके।

दूसरी ओर सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा कांग्रेस के अनुभवी नेताओं में गिने जाते हैं। वे पंजाब सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं। संगठन और प्रशासन दोनों पर उनकी पकड़ मानी जाती है। वे राजस्थान के भी प्रभारी रह चुके हैं। रंधावा लंबे समय से कांग्रेस के परंपरागत सिख वोट बैंक और ग्रामीण क्षेत्रों में असर रखते हैं। यही कारण है कि वे स्वयं को मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा भी कम मजबूती से अपना दावा नहीं ठोंक रहे हैं। बाजवा वर्तमान में पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और लंबे समय से कांग्रेस संगठन के महत्वपूर्ण चेहरों में शामिल रहे हैं। उनके पास संसदीय राजनीति और संगठनात्मक अनुभव दोनों हैं। पार्टी के भीतर उनका अपना समर्थक वर्ग है और वे स्वयं को कांग्रेस के संकटमोचक नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के नेता होने के नाते उन्हें लगातार मीडिया में स्थान भी मिलता है, जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत दिखाई देती है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग वर्तमान में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने की कमान संभाल रहे हैं। पार्टी संगठन की कमान उनके हाथ में है और वे लगातार पार्टी को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। युवा नेतृत्व की छवि, आक्रामक राजनीतिक शैली और संगठन पर पकड़ उन्हें मुख्यमंत्री पद की संभावित दौड़ में बनाए हुए है। प्रदेश अध्यक्ष होने के कारण स्वाभाविक रूप से उनका राजनीतिक कद भी बढ़ा है। इन चारों नेताओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सभी के पास संगठनात्मक या प्रशासनिक अनुभव है। चन्नी पूर्व मुख्यमंत्री हैं, रंधावा पूर्व उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं, बाजवा विधानसभा में विपक्ष का नेतृत्व कर रहे हैं और राजा वड़िंग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं। यानी पार्टी के लगभग सभी प्रमुख पद इन नेताओं के पास हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब संगठन को मजबूत करने के बजाय नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा अधिक दिखाई देने लगती है। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जनता को एकजुट विकल्प नहीं दिख रहा है। यदि हर नेता स्वयं को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताने लगे तो कार्यकर्ताओं के बीच भी भ्रम पैदा होता है। परिणामस्वरूप संगठनात्मक ऊर्जा चुनावी तैयारी में लगने के बजाय आंतरिक खींचतान में खर्च होने लगती है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस 2022 की अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल से भी कोई सबक नहीं ले पाई? तब कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पार्टी छोड़ दी, सिद्धू भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके। सत्ता आम आदमी पार्टी के हाथों में चली गई। आज पंजाब कांग्रेस एक बार फिर लगभग उसी स्थिति में है। पार्टी हाईकमान ने गुटबाजी को नियंत्रित करने और नेताओं को एक मंच पर लाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या केवल समितियां बनाकर राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रित किया जा सकता है? पंजाब कांग्रेस का हाल देखकर यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है। हालात इतने बदतर हो रहे हैं कि कांग्रेस आलाकमान को भितरघात को सुलझाने के लिए कमेटी तक बनानी पड़ी है। प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने बगावती नेताओं से अलग-अलग बात करके रिपोर्ट भी बनाई है, लेकिन भूपेश बघेल की रिपोर्ट भी अब तक किसी निर्णायक समाधान का रास्ता नहीं खोल सकी है।

पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल लगातार यह दोहरा रहे हैं कि फिलहाल प्रदेश संगठन में किसी तरह का नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। इसके बावजूद पार्टी के भीतर जारी खींचतान थमती नजर नहीं आ रही है। दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के नए संगठनात्मक ढांचे को लेकर मंथन तेज हो गया है। पार्टी आलाकमान किसी भी निर्णय से पहले सभी गुटों को विश्वास में लेने की कोशिश कर रहा है, ताकि भविष्य में संगठन के भीतर बेहतर तालमेल बनाया जा सके। इसी उद्देश्य से अलग-अलग नेताओं से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है। वहीं खास बात यह है कि नाराज कांग्रेसी भले ही हाईकमान के फैसले से असंतुष्ट हैं मगर वे टकराव की स्थिति नहीं चाहते। यह बात चन्नी समेत उनके गुट के नेताओं ने साफ कर दी है। उनका कहना है कि किसी मसले पर मतभेद होना गलत नहीं और हर वरिष्ठ नेता की बात का मूल्य होता है। वे सभी एकजुट हैं मगर अपनी बात रखना गलत नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं है अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जिस तरह पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर खींचतान तेज हुई है, उसने कांग्रेस आलाकमान की संगठनात्मक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नाराज और बगावत का झंडा उठाने वाले नेताओं से मिलने तक ना-नुकर कर रहे हैं। नाराज नेताओं को दिल्ली दरबार से कोई समाधान न मिलने के कारण कांग्रेस में अंतर्कलह आने वाले दिनों में और ज्यादा नजर आ सकती है।

नजरिया

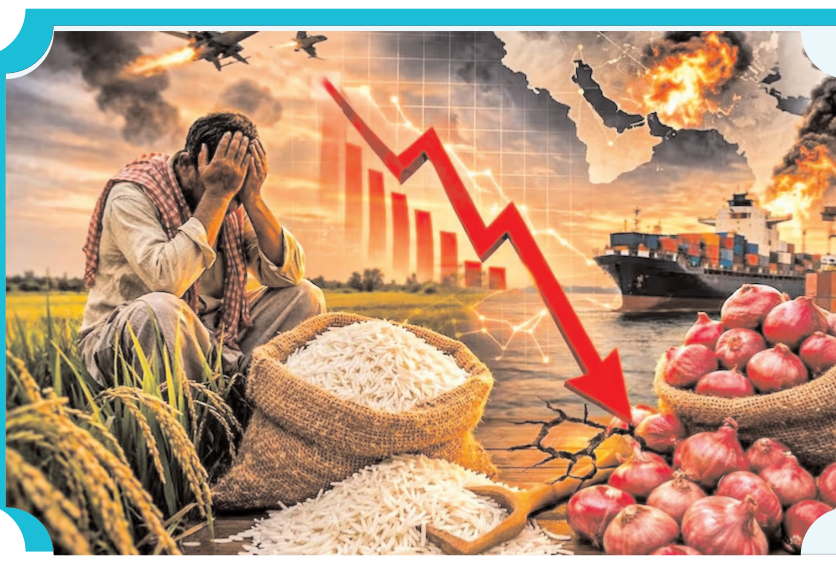

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा।

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद

सोनम लववंशी

मोबाइल : 70008 54500

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं, देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो 'मेड इन इंडिया' की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को 'जीरो एरर' की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

ओडिशा के पुरी जिले में शुक्रवार को वार्षिक जगन्नाथ रथ यात्रा के दूसरे दिन भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के श्री गुंडिचा मंदिर पहुंचने पर दर्शन के लिए एकत्रित हुए श्रद्धालु।

उच्चतम न्यायालय ने महाप्रभु 'जगन्नाथ' फिल्म रथ यात्रा के बाद रिलीज करने की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एनिमेटिड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का उत्सव समाप्त होने के बाद देशभर में 28 जुलाई या उसके पश्चात रिलीज करने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि यह एनिमेटिड फिल्म उस वेब सीरीज पर आधारित है, जिसे पहले ही यूट्यूब पर जारी किया जा चुका है। पीठ ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म के प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र जारी कर दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने ओडिशा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें एले एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड को फिल्म रिलीज करने से रोक दिया गया था। यह फिल्म आज सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी।

राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि ओडिशा और देश के अन्य हिस्सों में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बृहस्पतिवार से शुरू हो चुकी है। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए फिल्म को 17 जुलाई को रिलीज करने का निर्देश देने से भी मना कर दिया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत से कहा, रथ यात्रा समाप्त होने के बाद आप फिल्म रिलीज कर सकते हैं।''

कामत ने पीठ से मूल रूप से घोषित तारीख पर फिल्म की रिलीज की अनुमति देने का आग्रह करते हुए कहा कि इसी विषय पर आधारित वेब सीरीज दो वर्ष पहले यूट्यूब पर जारी की गई थी और उससे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हुई थी। हालांकि, पीठ ने उनसे रथ यात्रा के उत्सव के दौरान फिल्म रिलीज नहीं करने को कहा। कामत ने दलील दी कि फिल्म पर करोड़ों रुपये का निवेश किया गया है और सिनेमाघरों की बुकिंग पहले ही हो चुकी है। यदि रथ यात्रा के 10 दिनों के दौरान फिल्म रिलीज नहीं हो पाती है, तो निर्माताओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म को प्रमाणित किया है। यह बच्चों के लिए बनाई गई फिल्म है और बाल गणेश पर आधारित एनिमेटिड फिल्म की तरह पूरी तरह काल्पनिक है। इसके बाद पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ फिल्म निर्माताओं द्वारा दायर याचिका का निस्तारण कर दिया। ओडिशा उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि फिल्म में भगवान जगन्नाथ के चित्रण को लेकर उठाई गई आपत्तियों पर गहन न्यायिक समीक्षा आवश्यक है इसलिए, जब तक इन आपत्तियों की विस्तार से जांच नहीं हो जाती, तब तक फिल्म का प्रदर्शन नहीं किया जा सकता।

उच्च न्यायालय की पीठ ने यह अंतरिम आदेश अंगुल निवासी महेश कुमार साहू, पुरी के डॉ. प्रमोद कुमार आचार्य और निमापाड़ा के उमाशंकर आचार्य द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया था।

विश्व कप फाइनल मेस्सी बनाम 'यमाल' की प्रतिद्वंद्विता नहीं : ओलिवर कान

मुंबई/भाषा। जर्मनी के महान गोलकीपर ओलिवर कान ने इस बात को खारिज कर दिया कि रविवार को होने वाला फीफा विश्व कप फाइनल लियोनल मेस्सी और स्पेन के युवा स्टार लामिन यमाल के बीच प्रतिद्वंद्विता है। उनका कहना है कि दोनों खिलाड़ी अपने करियर के बिल्कुल अलग-अलग पड़ाव में हैं। गत चैंपियन अर्जेंटीना की टीम न्यूयॉर्क में होने वाले फाइनल में स्पेन से भिड़ेगी। अर्जेंटीना की नजरें अपने चौथे विश्व कप खिताब और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने पर होगी।

'जी5' के विश्व कप विशेषज्ञ पैनल के सदस्य कान ने पत्रकारों से कहा, इन दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है क्योंकि एक खिलाड़ी 40 साल का है और दूसरा 19 साल का। मेस्सी तो यमाल के आदर्श हैं। दोनों बेहद दिलचस्प खिलाड़ी हैं और दोनों एक ही अकादमी से निकले हैं। उन्होंने कहा, ''यमाल कई वर्षों से मेस्सी की प्रशंसा करते आए हैं और उन्हीं के जैसा बनना चाहते हैं। यह युवा खिलाड़ी के लिए बेहद खास मौका है।'' कान ने कहा, ''यमाल ने दो साल पहले यूरो कप जीता था और अब उनके पास विश्व कप जीतने का मौका है। 19 साल की उम्र में यह बहुत बड़ी उपलब्धि हो सकती है, लेकिन इसके साथ आने वाले दबाव और भविष्य की अपेक्षाओं को संभालना भी आसान नहीं होता।''

कान का मानना है कि स्पेन की राष्ट्रीय टीम में यमाल की भूमिका उनके क्लब बार्सीलोना की तुलना में अलग है, इसलिए उनसे अभी और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने इस टूर्नामेंट में अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन वह इससे भी बेहतर खेल सकते हैं। बार्सीलोना में उन्हें थोड़ी अधिक आजादी मिलती है जबकि स्पेन के लिए खेलते हुए वह शायद थोड़ा बंधा हुआ महसूस करते हैं। उन्हें एक विशेष भूमिका निभानी पड़ती है। आने वाले वर्षों में उन्हें इसी पर काम करना होगा।'' कान ने कहा, ''राष्ट्रीय टीम में उनके साथ रोड्री जैसे बड़े खिलाड़ी हैं। उन्हें उनका सम्मान करना होगा।'' कान ने गोल के सामने मेस्सी की मौजूदगी की तुलना अपने खेल के दिनों से करते हुए कहा, अगर मेस्सी को एक मौका मिल जाए तो अक्सर वह गोल में बदल जाता है। जब कोई गोलकीपर मेस्सी को अपने सामने देखता है तो शायद वही भावना होती है जैसी मेरे सामने कई खिलाड़ियों की होती थी। अगर मेस्सी आपके सामने हैं तो उन्हें रोकने की संभावना बहुत कम रह जाती है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-2) का गठन

बेंगलूरु के राजभाषा अधिकारियों की बैठक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजभाषा विभाग द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-2) बेंगलूरु का गठन किया गया, जिसका उद्देश्य केंद्रीय सरकार के उपक्रम कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु साझा मंच प्रदान करना है। नराकास (उपक्रम-2) बेंगलूरु के राजभाषा अधिकारियों / प्रभारियों की बैठक पावरग्रिड की अध्यक्षता में 17 जुलाई को आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार के विभिन्न उपक्रम कार्यालयों जैसे कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, रेलटेल कॉर्पोरेशन, ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया, केंद्रीय भंडारण निगम, एचएमटी, बीएचईएल, ब्रॉडकास्ट इंजिनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय खाद्य निगम, मंगलूर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, ईसीजीसी, आईआरसीटीसी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपोरेशन लिमिटेड, राइट्स लिमिटेड और पावरग्रिड के विभिन्न कार्यालयों से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता पावरग्रिड के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ महाप्रबंधक तनवीर मण्ड्यप्पुरथ ने की।

भारत सरकार राजभाषा विभाग से अनुसंधान अधिकारी प्रकाश रामने नराकास संबंधी गतिविधियों एवं सदस्य कार्यालयों की जिम्मेदारियों पर सभा को संबोधित किया। बैठक का समन्वय पावरग्रिड के उपमहाप्रबंधक एवं सदस्य सचिव नारायण साव द्वारा किया गया।

गेल ने महत्त्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए 'काबिल' के साथ समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शुक्रवार को खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद महत्त्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में सहयोग करना और भारत की लंबे समय की संसाधन सुरक्षा को मज़बूत करना है।

इस समझौता ज्ञापन पर गेल के कार्यकारी निदेशक (आर एंड डी और ई एंड पी) संजीव कुमार और 'काबिल' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर गेल के निदेशक (बिज़नेस डेवलपमेंट) आरके सिंघल और दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

यह साझेदारी महत्त्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में अवसरों की पहचान और मूल्यांकन करने, तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और माइनिंग वैल्यू चेन में संयुक्त पहल की संभावनाओं को तलाशने के लिए सहयोग का एक ढांचा तैयार करेगी।

इससे भारत को इन ज़रूरी संसाधनों की लंबे समय तक आपूर्ति और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी।

अनिल कपूर की सलाह ने बदला अंजना का नजरिया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों से जुड़ा एक खास किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म 'सलाम-ए-इश्क' की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर ने उन्हें जो सलाह दी थी, उसने उनके सोचने का नजरिया बदल दिया और वह आज भी उस सीख को अपने जीवन में उतारने की कोशिश करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अंजना सुखानी से पूछा गया कि उन्होंने अपने करियर में अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है। ऐसे में क्या किसी स्टार ने उन्हें ऐसी सलाह दी, जो आज भी उनके दिल और दिमाग में बसी हुई है। इस सवाल का जवाब देते हुए अंजना ने अनिल कपूर का नाम लिया। अंजना ने कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि किसी ने भी मुझे बिना वजह सलाह देने की कोशिश नहीं की, क्योंकि हर इंसान का अपना सफर होता है और वह अपने अनुभवों से सीखता है लेकिन मुझे याद है कि 'सलाम-ए-इश्क' की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर ने मुझे बहुत अच्छी सलाह दी थी।''

उन्होंने बताया, ''अनिल कपूर हमेशा कहते थे कि अपने प्रोजेक्ट्स बहुत सोच-समझकर चुनो। उन लोगों के साथ काम मत करो जिनके साथ आप सहज महसूस नहीं करते। ऐसे लोगों के साथ काम करो, जो अच्छे हों और जिनके साथ काम करके आपको खुशी मिले। सिर्फ काम करने के लिए कोई भी फिल्म मत करो। मुझे उनकी यह बात आज भी बहुत अच्छी लगती है और मैं उसे हमेशा याद रखती हूं।'' साल 2007 में रिलीज हुई 'सलाम-ए-इश्क' उस समय की सबसे चर्चित मल्टीस्टारर फिल्मों में से एक थी। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनिल कपूर, सलमान खान, गोविंदा, जूही चावला, अक्षय खन्ना, जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा, विद्या बालन, आयशा टाकिया, सोहेल खान, ईशा कोप्पिकर और शैनन एसरा जैसे कई बड़े कलाकार नजर आए थे। फिल्म में अंजना सुखानी ने अंजलि कपूर का किरदार निभाया था, हालांकि उनका रोल छोटा था, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें कई बड़े कलाकारों के साथ काम करने का मौका दिया।

रियलिटी शो में दिखता है कलाकार का असली चेहरा : ईशा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है। उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।'' अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''

ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है।

भीड़ के बीच भी खुद को तन्हा महसूस करती हैं अविका गौर

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अविका गौर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने अकेलेपन और अपने वजूद को लेकर पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि अकेलापन हमेशा अकेले रहने से महसूस नहीं होता, बल्कि कई बार आप सैकड़ों लोगों के बीच मौजूद रहकर भी समझ नहीं पाते कि हो क्या रहा है। अभिनेत्री अविका गौर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा, हाल ही के दिनों में मैंने महसूस किया है कि अकेलापन सिर्फ कमरे में अकेले रहने का नाम नहीं है, क्योंकि कई बार हम बहुत सारे लोगों के बीच होते हैं, फिर भी हम बिल्कुल पराया और अकेला महसूस करते हैं। ऐसे समय में दोस्तों और जिनसे करीबी रिश्ता है, उनके बीच जगह बनाना बहुत थका देने वाला होता है। आप जितनी भी कोशिश करें। लोग या तो सोचते हैं कि आपको उनकी जरूरत नहीं है या फिर आपको जरूरत से ज्यादा उनसे जुड़ने वाला समझ लेते हैं। अविका ने बताया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन अपने करियर को दे दिया, लेकिन वे यह नहीं समझ पाईं कि समय के साथ लोगों को अपनी जिंदगी में बिना शर्त शामिल करना कितना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी पूरी जिंदगी सिर्फ अपना करियर बनाने में लगा दी, लेकिन मुझे यह अंदाजा नहीं था कि वक्त बीतने के साथ ऐसे लोग मिलना कितना मुश्किल हो जाता है, जो बिना किसी मतलब या शर्त के आपको अपना दोस्त बना लें।

उन्होंने लिखा, कोई आपको यह नहीं बताता कि बड़ा होना सिर्फ उम्र बढ़ने या समय बीतने का नाम नहीं है। इसके साथ यह भी होता है कि ऐसे लोग मिलना मुश्किल हो जाता है, जो आपको उतनी ही अहमियत दें, जितनी आप उन्हें देते हैं। जब वे दोस्ती कर रहे थे, तब शायद आप तैयार नहीं थे और अब जब आप लोगों को अपनाने और अपनी जिंदगी में जगह देने के लिए तैयार हैं, तब तक ज्यादातर लोगों का अपना-अपना दायरा बन चुका होता है।

यूरोप में भीषण गर्मी से इस साल करीब 10 हजार लोगों की मौत हुई

लंदन/एपी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार जून के आखिर में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है।

अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ सालों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। फिर भी, गर्मी के कारण यूरोप में 2003 का साल सबसे ज़्यादा जानलेवा रहा, जिसमें लगभग 70,000 लोगों की मौत हुई थी। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है और यह बदलाव कोयला, तेल और गैस जैसे ईंधन दहन से होता है। यूरोएमओएमओ मृत्यु निगरानी केंद्र है, जिसे दो दर्जन देशों से आंकड़े प्राप्त होते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक 28 जून को समाप्त हुए हफ़्ते में सभी वजहों से करीब 14,260 अधिक मौते हुईं। इनमें से 12,000 से ज़्यादा मौतें 65 साल और उससे ज़्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था। उससे पहले और बाद के हफ्तों में ये आंकड़े काफी कम थे। डेनमार्क के स्टेटन्स सीरम इंस्टीट्यूट से संबद्ध और यूरोएमओएमओ के समन्वयक लासे वेस्टेरगार्ड ने कहा, हम इसका कारण यूरोप के कई देशों में पड़ रही भीषण गर्मी को मानते हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि इस अवधि में इतनी अधिक मौतों की कोई और साफ वजह समझ नहीं आती। यूरोएमओएमओ ने अलग-अलग देशों के आंकड़े नहीं दिये हैं, लेकिन उसने फ्रांस, बेल्जियम और जर्मनी में अतिरिक्त मामलों की सबसे ज्यादा दरें पाईं।

जर्मनी के रोग नियंत्रण केंद्र, रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट ने इस साल जुलाई की शुरुआत तक गर्मी से सीधे तौर पर 6,830 लोगों की मौत होने की बात कही है। इनमें से 6,470 लोगों की उम्र 65 साल या उससे अधिक थी। ब्रिटेन की राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा है कि मई और जून में इंग्लैंड और वेल्स में भीषण गर्मी की वजह से करीब 2700 लोगों की मौत हुई। फ्रांस के जन स्वास्थ्य प्राधिकरण ने बताया कि 22-28 जून के बीच इससे पूर्ववती सप्ताह के मुकाबले करीब 2,000 अधिक मौतें दर्ज की गईं। स्पेन की सरकारी निगरानी एजेंसी, कार्लोस-तृतीय स्वास्थ्य संस्थान के मुताबिक देश में भीषण गर्मी से करीब 937 लोगों की मौत हुई। बेल्जियम के जन स्वास्थ्य संस्थान साइंसानो' के मुताबिक 18 जून से 1 जुलाई तक भीषण गर्मी के प्रकोप वाली अवधि में सामान्य से 1,747 ज़्यादा मौतें हुईं। नीदरलैंड में भी इस साल भीषण गर्मी से करीब 480 लोगों की मौत हुई है।

बेंगलूरु में शुक्रवार को संक्रांति कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी गांग परिवार का स्वागत समिति के द्वारा किया गया (बाएं) एवं गुरुदेव की वंदना करते हुए अतिथिगण।

आचार्यश्री एवं संतवृंदों को सामैय्या से बधाते हुए श्रावक श्राविकाएं एवं महावीर धर्मशाला में आयोजित संक्रांति सभा में उपस्थित श्रावक श्राविकाएं संतों से प्रवचन सुनते हुए।

साधर्मिक सेवा ही परम कर्तव्य: आचार्यश्री नित्यानंदसूरी

■ संक्रांति के अवसर पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब ■ महावीर धर्मशाला का प्रांगण भरा खचाखच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'पद्मश्री' से सम्मानित एवं आचार्यश्री विजय वल्लभसूरीश्वरजी म.सा. समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी म.सा. के मुखारविंद से शुक्रवार को विश्व शांति प्रदायक महामंगलकारी संक्रांति महामांगलिक का श्रवण कर सैंकड़ों श्रद्धालु निहाल हो गए।गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न कोनों से भारी संख्या में गुरुभक्त बेंगलूरु पहुंचे।

कार्यक्रम का शुभारंभ बसवनगुड़ी (मेघा रेसीडेन्सी) से आचार्यश्री के पावन सानिध्य में संतों के भव्य विहार के साथ हुआ, जिसके बाद संघ ने महावीर धर्मशाला में मंगल प्रवेश किया। सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने पुरानी स्मृतियों को ताजा किया और बताया कि 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बेंगलूरु नगरी को पुनः चातुर्मास का सौभाग्य मिला है। उन्होंने बेंगलूरु में चातुर्मास की राह प्रशस्त करने वाले समिति के अध्यक्ष रहे भीमराज करबावाला के अनथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें 'वल्लभ का हनुमान' कहकर नवाजा। साथ ही, गोड़वाड भवन और अतिथि भवन को भव्य रूप देने में समर्पित कार्यकर्ता कुमारपाल सिसोदिया के अप्रतिम योगदान की खुलकर प्रशंसा की। गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया ने भी गुरुचरणों में निवेदन किया कि साधार्मिक सेवा की किसी भी बड़ी योजना को वे पूरी तत्परता के साथ धरातल पर उतारेंगे।

साकार होगी साधार्मिक आवासीय योजना

आचार्यश्री ने ठोस और रचनात्मक साधार्मिक सेवा कार्यों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि 23 वर्ष पूर्व आचार्य वल्लभ की भावना के अनुरुप साधार्मिकों के लिए जिस आवासीय योजना की नींव रखी गई थी, वह विगत में किन्हीं कारणों से फलीभूत नहीं हो सकी थी; अब इस चातुर्मास में उस संकल्प को साकार रूप दिया जाएगा।

चातुर्मास के दौरान युवा शक्ति को सेवा, संस्कार और समर्पण से जोड़ने के लिए पूज्य आचार्यश्री ने 'विजय वल्लभ यूथ ग्रुप, बेंगलूरु' के गठन की घोषणा की। यह ग्रुप जिन शासन की प्रभावना, सामाजिक सेवा, यूथ कैंप और भजन संध्या जैसे रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज में जागृति लाएगा।

गुरु वल्लभ का सपना : जैन समाज की उन्नति

इस अवसर पर मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी म.सा. ने कहा कि उत्तर भारत से लगभग 2,000 किलोमीटर का कठिन विहार कर आचार्यश्री का बेंगलूरु आगमन किसी बड़े और ठोस सामाजिक कार्य के मंगल उद्देश्य से हुआ है। उन्होंने श्रावक समाज को सुदृढ़ करने और तीर्थ रुपी संघ की सेवा करने का आह्वान किया। संक्रांति समारोह के मुख्य लाभार्थी 'शंखेश्वर डेवलपर्स' और 'ग्रीन अरिहंत एग्रो' के गांग परिवार का समिति द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। लाभार्थी विमल गांग ने भावुक होते हुए कहा कि धन तो जीवन में कभी भी कमाया जा सकता है, लेकिन हमारे द्वार पर बह रही 'ज्ञानरूपी वल्लभ गंगा' का लाभ उठाकर संस्कार और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना ही जीवन की सच्ची सार्थकता है। गांग परिवार द्वारा गच्छाधिपति आचार्य भगवंत को कांबली ओढ़ाई गई। अखिल भारतीय श्री आत्म वल्लभ जैन महासंघ के महासचिव अशोक जैन दिल्ली, आत्मानंद जैन महासभा उत्तरी भारत के महासचिव नवनीत जैन लुधियाना ने गुरु वल्लभ के उपकारों का जिक्र किया। उत्तरी भारत से 400 से भी ज्यादा गुरुभक्त बेगलूरु में गुरुदेव के चातुर्मासिक प्रवेश पर सम्मिलित होने आए हैं। महासभा के प्रधान नरेंद्र जैन बंब, लुधियाना संघपति शिव कुमार, टिम्सी जैन, ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के संस्थापक प्रो चांसलर वाई के गुप्ता, शांतिदूत भक्त मंडल लुधियाना के प्रधान राजेंद्र बिट्टू रत्न, मंत्री अरुण जैन दुग्गड़, नवीन शाहदरा दिल्ली से संघपति विपिन कुमार सचिन जैन परिवार का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में सभी का स्वागत गोडवाड़ जैन भवन ट्रस्ट के महासचिव विक्रम भीमराज करबावाला ने किया। कुमारपाल सिसोदिया ने समय समय पर अपनी बात कही। वहीं कार्यक्रम का संचालन मनीष खाड़ीवाला ने किया। संगीतमय कार्यक्रम की प्रस्तुति कमलेश एण्ड पार्टी ने दी। इस अवसर पर पुणे से 42 उपवास की तपस्विनी गीता सोनामलिया ने आगे 16 उपवास का पच्चक्खाण गुरुदेव से ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली, लुधियाना और अन्य शहरों से आए विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समिति के सचिव विक्रम भीमराज करबावाला ने सभी आगंतुक गुरुभक्तों का आभार ज्ञापित किया।

चातुर्मास में 50 दिन गोड़वाड़ जैन भवन में रहकर आराधना करने हेतु सभी आराधकों को आमंत्रित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप सुराणा, महामंत्री विक्रम करबावाला, कुमारपाल सिसोदिया के मार्गदर्शन में चातुर्मास के सभी आयोजनों और योजनाओं को गोडवाड़ चातुर्मास आयोजक समिति के बैनर तले क्रियान्वित किया जाएगा। सामूहिक तपस्या के रूप में श्री शत्रुंजय महातप 4 अगस्त से प्रारंभ होगा जिसमें बेंगलूरु को कोई भी आराधक जुड़ सकता है।

आशावान बने रहना भी जीवन में धर्म के समान है : कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में कमल मुनिजी कमलेश ने अग्रहार स्थित तेरापंथ भवन में प्रवचन में कहा कि कोई भी निराश होकर जीवन मुर्दे की तरह जी रहा है। निराशा साक्षात मृत्यु व जहर के समान है और हमारी आत्मा के मनोबल को तोड़ता है। निराशा से जीवन में से आनंद, प्रेम, सुख-शांति सब छिन जाती है, व्यक्ति मायूस और उदास रहने लगता है। निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करना, उत्साह बढ़ाना, अंदर में रही हुई ऊर्जा को जागृत करना, संबल देकर खड़ा करना सबसे महान और सर्वश्रेष्ठ धर्म है, यह प्रयास ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। यह सबसे महान दान है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि आगे बढ़ने वाले से भूल होने पर उसको हतोत्साहित करना परमात्मा का अपमान करने के समान है। ऐसे व्यक्ति का विश्व के किसी भी धर्म में प्रवेश नहीं है। आशावादी बने रहना और दूसरों को आशावादी बनाना यह भाव अगर जीवन में आ जाए तो उस व्यक्ति का कदम कदम पर उसका जीवनतीर्थ हो जाता है। सक्षम मुनिजी व अक्षत मुनिजी ने मंगलाचरण किया। कौशल मुनिजी ने विचार व्यक्त किए।

'मिशन दृष्टि' के तहत 11 विद्यालयों में आयोजित किए नेत्र जांच शिविर

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ) द्वारा राष्ट्रव्यापी मेगा नेत्र-जाँच अभियान 'मिशन दृष्टि' के तहत देश के75 से अधिक नगरों एवं 1000 से अधिक विद्यालयों में एक साथ शुरू किया गया।

बेंगलूरु सेन्ट्रल शाखा ने इस महाअभियान के अंतर्गत शुक्रवार को 11 विद्यालयों में उनके परिसर में नेत्र-जाँच शिविर आयोजित किए, जिनमें 6000 से अधिक विद्यार्थियों की नेत्र-जाँच की गई। इस सेवा-यज्ञ में 10 नेत्र-चिकित्सा संस्थानों एवं सेवा प्रदाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

जय भिक्षु ॐ अर्हम् जय महाश्रमण

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश
तेरापंथ भवन, गांधीनगर, बेंगलूरु

महातपस्वी युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पावन प्रभाजी ठाणा 4 का

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

दिनांक : 19 जुलाई 2026, रविवार

श्री मदनलालजी नाहर नेहरुनगर के निवास स्थान से प्रात: 8.15 बजे विहार कर प्रात: 9.05 बजे तेरापंथ भवन, गांधीनगर में अनुशासन रैली के साथ प्रवेश करेंगे।
(रैली से पूर्व अल्पाहार की व्यवस्था)

इस गौरवशाली क्षणों में संपूर्ण तेरापंथ समाज बेंगलूरु से निवेदन है कि आप सभी उपस्थित रह कर संघ के गौरव में अभिवृद्धि करावें।

अभिनंदन कार्यक्रम : प्रातः 9.15 बजे से
दीक्षार्थी बहिन कोमल भंसाली का मंगल भावना समारोह
नोट : यथासंभव संघीय गणवेश में पधारने का प्रयास करावें।
पुरुष सफेद शर्ट एवं महिलाएं महिला मंडल की साड़ी या चुनरी की साड़ी

निवेदक : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, गांधीनगर, बेंगलूरु

अध्यक्ष प्रकाशचंद बाबेल | रैली संयोजक दिनेश छाजेड़-9740446013 | मंत्री सुभाषचंद्र पोखरणा

सहयोगी संस्थाएं : तेरापंथ ट्रस्ट, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, अणुव्रत समिति, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम एवं अन्य सहयोगी संस्थाएं, गांधीनगर, बेंगलूरु

आचार्य विमलसागरसूरी का हैदराबाद में भव्य चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद (तेलंगाना)/दक्षिण भारत। फीलखाना स्थित श्री महावीर भवन से एक्जीबिशन ग्राउंड तक आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी म. सा. के पावन चातुर्मास प्रवेश का भव्य आयोजन 16 जुलाई को श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित विशाल शोभायात्रा में लगभग 2,500 से 3,000 श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरुदेव के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त की। आचार्यश्री पद्मसागरसूरीजी म. सा. के शिष्य आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी म.सा. हजारों-लाखों लोगों के हृदय में आत्मगौरव एवं धर्मरक्षा की अलख जगाने वाले, मिथ्या मान्यताओं के भंजक, जैन एकता के प्रबल पुरुषार्थी, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलक, धर्मरक्षक तथा क्रांतिकारी ओजस्वी प्रवचनकार के रूप में देशभर में विख्यात हैं। उनके साथ जन-जन के धर्मप्रेरक, उपकारी एवं कल्याण-मित्र गणिवर्यश्री पद्मविमलसागरजी म. सा., मुनि श्री तत्त्वविमलसागरजी म., मुनिश्री वीरविमलसागरजी म., मुनि श्री पुण्यविमलसागरजी म. तथा मुनि श्री तीर्थविमलसागरजी म. का भी पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस भव्य विमल वर्षावास प्रवेश के आयोजन में श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों से विशेष रूप से उपस्थित थे। पूरे मार्ग में धर्मध्वज, मंगलगीत, जयघोष एवं भक्ति के वातावरण ने शोभायात्रा को अत्यंत आकर्षक बना दिया।ङ्कचातुर्मास प्रवेश शोभायात्रा अनुशासन, भव्यता और धार्मिक आस्था का अनुपम संगम रही। प्रवेश में शामिल पुरुष श्रद्धालु सफेद कुर्ता-पायजामा तथा महिला श्रद्धालु लाल चुनरी धारण किए हुए थीं, जिससे पूरी शोभायात्रा अत्यंत आकर्षक एवं एकरूप दिखाई दे रही थी। शोभायात्रा के सबसे आगे सुरक्षा व्यवस्था के तहत हैदराबाद पुलिस के वाहन तथा सिविल डिफेंस, गुजरात की टीम चल रही थी। इसके पश्चात सुसज्जित रथ में भगवान श्री महावीर स्वामी एवं आचार्यश्री बुद्धिसागरजी म. के चित्र विराजमान थे। रथ के पीछे हैदराबाद युवा मंडल का बैंड तथा रानीबेन्नूर का प्रसिद्ध बैंड अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहा था। आकर्षक धार्मिक झांकियों ने शोभायात्रा की शोभा में चार चाँद लगा दिए। ङ्कइसके पश्चात संतों तथा उनके पीछे सैकड़ों पुरुष एवं महिला श्रद्धालु जयघोष करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा के अंतिम भाग में एम्बुलेंस एवं दमकल विभाग के वाहन भी साथ चल रहे थे। ङ्कहुब्बल्ली-धारवाड़ से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश के साक्षी बने। इस मंगलमय चातुर्मास प्रवेश समारोह में श्री नाकोड़ा ट्रस्ट के ट्रस्टी गौतम बालर (पादरू-मुंबई-दुबई) तथा महेंद्र बागरेचा (टाइगर), सिवाना की भी विशेष उपस्थिति रही। ङ्कहैदराबाद श्रीसंघ ने श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए पूरी शोभायात्रा मार्ग में ठंडे पेयजल की उत्कृष्ट व्यवस्था की थी। इसके लिए टेम्पो में शीतल पेयजल की व्यवस्था कर पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराया गया। भीषण गर्मी के बीच इस सेवा व्यवस्था की श्रद्धालुओं ने मुक्तकंठ से सराहना की। श्रीसंघ के स्वयंसेवक पूरे मार्ग में सेवा-भाव के साथ श्रद्धालुओं को ठंडा पानी उपलब्ध कराते रहे। बाहर गांवों एवं विभिन्न राज्यों से पधारे श्रद्धालुओं एवं महानुभावों के लिए हैदराबाद श्रीसंघ द्वारा विभिन्न होटलों में उत्कृष्ट आवास व्यवस्था की गई थी। अतिथियों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की सुव्यवस्थित व्यवस्था कर श्रीसंघ ने अपने उत्कृष्ट आतिथ्य, सेवा-भाव एवं संगठन क्षमता का परिचय दिया। देशभर से पधारे श्रद्धालुओं ने श्रीसंघ की इस सराहनीय व्यवस्था की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।इस अवसर पर हुब्बल्ली से आए श्रद्धालुओं ने विनम्र भाव से परम पूज्य आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी म. सा. से हैदराबाद चातुर्मास पूर्ण होने के पश्चात हुब्बल्ली पधारने की भावभरी विनती की। गुरुदेव के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा एवं भक्ति अर्पित करते हुए सभी ने उनके शीघ्र कर्नाटक आगमन की मंगलकामना व्यक्त की।

जीतो लेडीज विंग द्वारा महिला उद्यमियों के लिए कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ विंग, बेंगलूरु साउथ के सर्व-महिला बिजनेस नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म स्वयम वी-प्रेन्योर्स की तृतीय कार्यकाल की सातवीं बैठक जीतो कार्यालय, चामराजपेट में उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सीखने, नेटवर्किंग, रेफरल्स और व्यवसायिक विकास का सशक्त मंच प्रदान करना रहा। संचालन रेफरल हेड मितु जैन ने किया। बैठक की थीम, स्पीक विद इम्पैक्ट रखी गई, जिसका उद्देश्य प्रभावी संवाद एवं आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति की कला को विकसित करना था। शैक्षणिक सत्र में सदस्य एमसी ज्योति कोचट्टा ने माइक्रोफोन एटिकेट, वॉइस मॉड्यूलेशन, मंच संचालन एवं प्रभावशाली संवाद कौशल पर अत्यंत उपयोगी मार्गदर्शन दिया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने मंच पर अपने व्यवसाय का 30 सेकंड का बिजनेस पिच प्रस्तुत किया। ङ्कङ्कबैठक के दौरान सदस्यों ने आपसी नेटवर्किंग, व्यवसायिक सहयोग एवं रेफरल्स के माध्यम से नए अवसरों का सृजन किया। सीखने, प्रेरणा, सहयोग और व्यवसायिक विकास का यह संगम सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ। इस अवसर पर जीतो लेडीज़ विंग, बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी एवं चीफ सेक्रेटरी निधि पालरेचा ने सभी महिला उद्यमियों को अपनी शुभकामनाएँ दीं।

जैन दर्शन में दो अशुभ व दो शुभ ध्यान हैं : जयसुबोधमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां शूले स्थित केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में विराजित जय गच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्व चंद्रजी म. सा., डॉ. पदमचंद्र जी म. सा. विराजित हैं। आचार्यश्री की तपस्या गतिमान है।शुक्रवार को श्री जयसुबोधमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन दर्शन में दो अशुभ और दो शुभ ध्यान कहे गए हैं। वर्तमान काल में शुक्ल शुभ ध्यान और व्रतधारी को रौद्र अशुभ ध्यान नहीं होता। अधिकांश श्रमणोपासक, आर्त अशुभ ध्यान में लीन होता है लेकिन अपने सद पुरुषार्थ से शुभ धर्म ध्यान की साधना कर सकता है। ङ्कङ्कजय धुरंधर मुनिजी ने बताया कि दुख प्राप्ति का मुख्य पांचवां कारण कल्पना को बताया। भविष्य की अशुभ कल्पना के कारण जीव दुखी होता है। वर्तमान काल में रहकर ही जीव सच्चा सुख प्राप्त कर सकता है। शूले जैन युवा संगठन के देवराज खींचा ने कहा कि शनिवार को संतों के सानिध्य में सुबह सामुहिक नवकार जाप और भक्तामर स्तुति होगी। कार्यक्रम का संचालन शूले श्रीसंघ के महामंत्री सुनील कुमार मरलेचा ने किया।

।। श्री दादा गुरुभ्यो नमः।। ।। श्री विमलनाथाय नमः।। ।। श्री गौतमस्वामिने नमः।। ।। श्री नाकोडा भैरवाय नमः।।

श्री विमलनाथ जैन श्वे. मंदिर एवं श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी, बसवनगुड़ी बेंगलूरु के पवित्र प्रांगण में

चातुर्मास आराधनार्थे मंगल प्रवेश

आज्ञाप्रदाता : प. पूज्य खरतर गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् जिन मणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.
निश्रा : प.पू. मुनिश्री मलयप्रभसागरजी म. सा. आदि ठाणा

सान्निध्यता : गच्छ गणिनी पद विभूषिता साध्वीरत्ना
प.पू. सुलोचनाश्रीजी म.सा की सुशिष्याएं
प. पू. डॉ. प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4

मिती आषाढ़ शुक्ल 6, रविवार, 19 जुलाई 2026

सकल श्री संघों को आत्मीय निवेदन

मंगलमय कार्यक्रम
प्रात: 9.00 बजे : श्री संभवनाथ जैन मंदिर वी वी पुरम बेंगलूरु से सकल श्री संघ के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ
प्रात: 10.15 बजे : मंदिरजी में मंगल प्रवेश, दर्शन वन्दन
प्रात: 10.30 बजे : पूज्य साधु साध्वी जी भगवन्तों का प्रसंगानुसार मंगल प्रवचन
प्रात: 12.05 बजे : सकल श्रीसंघ का स्वामी वात्सल्य

उपरोक्त कार्यक्रमों में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

आराधना स्थल : श्री जिन कुशल सूरि जैन आराधना भवन
(भवन लाभार्थी : श्री छगनराज तलाजी परिवार, मांडवला)

निवेदक एवं आयोजक :
श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी, बेंगलोर

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**